संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 237
पृष्ठ : 08
मूल्य :1.00
गुरूवार 26 नवम्बर 2026

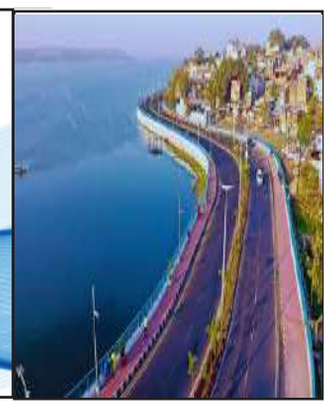
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू



Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

पंजाब में 6 साल बाद भाजपा-अकाली गठबंधन

मिलकर चुनाव लड़ेंगे; शाह बोले- मुख्यमंत्री अकाली दल का होगा, सीट शेयरिंग पर फैसला बाद में

लुधियाना(एजेंसी)। भाजपा और शिरोमणि अकाली दल 6 साल बाद फिर साथ आए हैं। दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में गृहमंत्री अमित शाह और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में गठबंधन का ऐलान किया। अमित शाह ने कहा- पंजाब में दोनों दल मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। अकाली दल बड़े भाई की भूमिका में रहेगा। चुनाव जीतने के बाद अकाली दल का नेता ही मुख्यमंत्री बनेगा। सीट शेयरिंग पर फैसला अभी नहीं हुआ है। दोनों पार्टियां मिलकर 1997, 2007 और 2012 यानी 3 बार पंजाब में सरकार बना चुकी हैं। कृषि सुधार कानूनों को लेकर सितंबर 2020 में 24 साल बाद दोनों का गठबंधन टूट गया था। इसके बाद 2022 में हुए



विधानसभा चुनाव में पंजाब की 117 सीटों में से अकाली दल 3 और भाजपा महज 2 सीटें ही जीत सकी थी।सुखबीर बोले- भाजपा से हमारा रिश्ता नाखून-मांस जैसाशिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि यह सिर्फ राजनीतिक गठबंधन नहीं है। यह इमोशनल गठबंधन है। मेरे पिता कहते थे कि यह नाखून-मांस का गठबंधन है। जितनी देर यह गठबंधन रहा पंजाब तरक्की पर रहा। पंजाब में शांति रही।यह रिश्ता मेरे पिताजी और अटल अडवाणी जी ने बनाया था। यह एक पारिवारिक रिश्ता है। पंजाब को बचाने की जरूरत है।अकाली दल हिंदुस्तान की दूसरी सबसे पुरानी पार्टी है। देश की आजादी और आजादी के बाद भी हमने अहम योगदान निभाया।अकाली दल के 3 मुद्दों पर शाह के जवाब1. किसानों का मुद्दा अकाली दल का पक्षः सुखबीर बादल ने किसानों की समस्याओं और कृषि कानूनों को लेकर उनकी मांगों पर समाधान निकालने की बात रखी। शाह का जवाबः किसानों के मुद्दे पर सुखबीर बादल के साथ तीन महीने तक विस्तार से चर्चा हुई है। किसानों की एक-एक समस्या को समझा गया। तीन महीने के भीतर इन समस्याओं का समाधान करने का भरोसा दिया गया है।

प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफा बांधकर सुना कीर्तन

लखनऊ में बोले- अन्याय के खिलाफ खड़ा होना ही धर्म, सभी मनुष्य समान



लखनऊ (एजेंसी)। गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समानता, मानवता और धर्म का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने जाति-पाति और भेदभाव से ऊपर उठकर समाज को एकता का रास्ता दिखाया। 'एक ओंकार' का संदेश सभी मनुष्यों को समान बताता है। अन्याय के खिलाफ खड़ा होना ही सच्ची आध्यात्मिकता है। मुख्यमंत्री मंगलवार को डीएवी कॉलेज मैदान में आयोजित समारोह में शामिल हुए। साफा बांधकर संगत के बीच बैठे और कीर्तन सुना। इस दौरान डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और मंत्री बलदेव सिंह औलख भी मौजूद रहे। योगी ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने 'एक ओंकार' का मंत्र दिया। इसका अर्थ है कि सभी एक परमात्मा की संतान हैं। हर व्यक्ति समान सम्मान का अधिकारी है। उन्होंने रामचरितमानस का उल्लेख करते हुए कहा कि श्रद्धावान व्यक्ति को ही ज्ञान प्राप्त होता है। गुरु नानक देव जी ने कीर्तन और भक्ति के जरिए समाज में सद्भाव और एकता का संदेश दिया। गुरुद्वारों का लंगर समानता का उदाहरण मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुद्वारों में एक साथ बैठकर लंगर छकने की परंपरा सामाजिक समानता और भाईचारे का प्रतीक है। यहां किसी की जाति नहीं पूछी जाती। सभी एक साथ बैठकर भोजन करते हैं। यह गुरु नानक देव जी की मानवता और समानता की शिक्षा को जीवंत बनाए हुए है। अन्याय के खिलाफ खड़े होना ही सच्ची आध्यात्मिकता योगी ने कहा कि आध्यात्मिकता व्यक्ति को अन्याय के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा देती है। यह परिस्थितियों से



भागना नहीं, बल्कि उनका सामना करना सिखाती है। धर्म का उद्देश्य समाज को सही रास्ता दिखाना और अन्याय के खिलाफ साहस पैदा करना है। सिख गुरुओं और साहिबजादों के बलिदान को किया याद मुख्यमंत्री ने गुरु गोविंद सिंह जी और उनके चारों साहिबजादों के बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि साहिबजादों ने धर्म की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया, लेकिन विदेशी आक्रांताओं के सामने सिर नहीं झुकाया। सिख वीरों ने भी संघर्ष में अपने प्राण न्योछावर किए। आजादी की लड़ाई में सिख क्रांतिकारियों का योगदान भी अहम रहा।

लखनऊ में युवती ने पहनी योगी की तस्वीर वाली जैकेट

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का चर्चित बयान 'माफियाओं को मिट्टी में मिला दूंगा' सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस बार एक युवती भगवा जैकेट पहनकर चर्चा में है। जैकेट पर सीएम योगी की तस्वीर के साथ उनका चर्चित डायलॉग लिखा है। वायरल वीडियो में युवती बाइक पर बैठी नजर आ रही है। उसने भगवा रंग की जैकेट पहन रखी है। जैकेट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर छपी है। इसके साथ लिखा है- 'माफियाओं को मिट्टी में मिला दूंगा'। वीडियो के कैप्शन में भी यही डायलॉग इस्तेमाल किया गया है। सोशल मीडिया पर यूजर्स दे रहे प्रतिक्रिया वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर



यूजर्स तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोग युवती के अंदाज और जैकेट की तारीफ कर रहे हैं। वहीं, कुछ इसे सीएम योगी के सख्त कानून-व्यवस्था वाले अंदाज से जोड़ रहे हैं। खास बात यह है कि मुख्यमंत्री का चर्चित डायलॉग युवतियों के बीच भी सोशल मीडिया पोस्ट और पहनावे के जरिए नजर आ रहा है।

स्कूल बस को ट्रक ने टक्कर मारी,4 बच्चों की मौत 25 घायल

कन्नौज(एजेंसी)। पिकनिक से लौट रहे थे, यूपी के कन्नौज में एक्सप्रेसवे पर खड़ी थीयूपी के कन्नौज में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूल बस को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 4 बच्चों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। बस में 50 स्टूडेंट्स समेत 60 लोग सवार थे। सभी आगरा में पिकनिक मनाकर कौशांबी लौट रहे थे। कन्नौज के एसपी विनोद कुमार ने बताया कि बस कौशांबी के ओरिएंटल पब्लिक स्कूल की थी। बस मंगलवार रात 12 बजे आगरा से रवाना हुई थी। मंगलवार सुबह करीब 6 बजे बच्चों को टॉयलेट



कराने के लिए ठठिया थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर रोकी गई थी। इसी दौरान यह हादसा हो गया। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सीटें उखड़ गईं। कई बच्चे सीटों के बीच फंस गए थे। माना जा रहा है कि ट्रक ड्राइवर को झपकी आने की वजह से हादसा हुआ।जिन 4 बच्चों की मौत हुई है, उनमें कौशांबी के आर्यन चौरसिया (14), रजीउल्ला (16), फतेहपुर के जैद अहमद (17) और अरमान (17) हैं। अरमान और आर्यन 8वीं, जैद 10वीं और रजीउल्ला 11वीं के छात्र थे। स्कूल प्रबंधन ने बताया कि कक्षा 6 से लेकर 10वीं तक के बच्चों को पिकनिक के लिए आगरा और मथुरा ले जाया गया था। बस शनिवार को कौशांबी से निकली थी। रविवार और सोमवार को घूमने के बाद देर रात वापस आ रही थी। दोस्त की तबीयत खराब थी, बस साइड में रोकी गई घायल छात्र प्रिंस प्रजापति ने बताया- आगरा में ताजमहल देखने गए थे। दोस्त नौशाद की तबीयत खराब थी। उसे टॉयलेट जाना था।

रामदेव पलटे, कहा- धीरेंद्र शास्त्री मेरे बच्चे जैसा

बातों से दुखी हुआ, इसलिए डांटा; बागेश्वर बाबा बोले- बढ़िया आशीर्वाद दिया

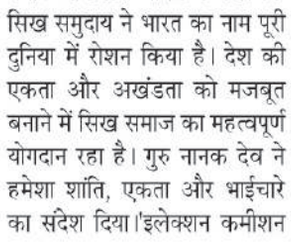
हरिद्वार(एजेंसी)। रामदेव ने धीरेंद्र शास्त्री को लेकर अपने बयान पर मंगलवार को हरिद्वार में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सफाई दी। उन्होंने कहा कि बागेश्वर बाबा मेरे सामने बालक की तरह हैं। वे मेरे छोटे भाई और शिष्य जैसे भी हैं। इसलिए, जो बातें मुझे अनुचित लगीं और जिनसे मुझे दुख पहुंचा, उन्हें लेकर मैंने अपने अधिकार से उन्हें डांटा। उन्होंने भी मेरी डांट को प्यार के रूप में स्वीकार किया। यह उनका बड़प्पन भी है। रामदेव ने कहा कि 2 दिनों से भयंकर बवाल चल रहा है। मैंने कल धीरेंद्र शास्त्री जी से भी बात की। जो हमारे देवी देवताओं को लेकर टिप्पणियां की जा रही थीं उसे लेकर मैं बहुत आहत था। यह सनातन परंपरा नहीं है। देवताओं के



बीच कोई भेद नहीं है। देवताओं, जातियों और धर्मों के नाम पर किए जा रहे भेदभाव समाज को तोड़ रहे हैं। मुझे बहुत दुख हुआ। दूसरी बात, मेरे मन में एक गंभीर सवाल था - सनातन धर्म को किसी अंधविश्वास या पाखंड से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। क्योंकि सनातन धर्म दिव्य है। सनातन धर्म वैज्ञानिक है। सनातन धर्म के मूल्य बहुत ऊंचे हैं।

शेख हसीना 16 दिसंबर को बांग्लादेश लौटना चाहती हैं

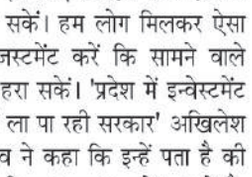
बांग्लादेश(एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पहली बार अपनी वापसी के लिए तारीख बताई है। वे 16 दिसंबर को अपने देश लौटना चाहती हैं। उन्होंने इसके लिए तारिक रहमान सरकार से विमान भेजने की मांग की। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक हसीना के प्रवक्ता सैयद मोजम्मेल अली ने मंगलवार को बताया कि हसीना सरकारी एयरलाइन बिमान बांग्लादेश की फ्लाइट से दिल्ली से ढाका लौटना चाहती हैं। 16 दिसंबर 1971 को बांग्लादेश ने



पाकिस्तान के खिलाफ मुक्ति संग्राम में जीत हासिल की थी। पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना और मुक्ति वाहिनी के सामने आत्मसमर्पण किया था। मुक्ति वाहिनी बांग्लादेश की आजादी के लिए लड़ने वाले लोगों का संगठन था। हसीना के प्रवक्ता सैयद मोजम्मेल अली ने यह भी कहा कि 5 अगस्त 2024 को हसीना को जिस बांग्लादेशी विमान से भारत लाया गया था, अब उसी तरह उनकी वापसी का इंतजाम भी सरकार को करना चाहिए। हसीना को संविधान के खिलाफ देश से बाहर भेजा गया था। ऐसे में अब उन्हें वापस लाना सरकार की जिम्मेदारी है। हसीना की वापसी के ऐलान से बांग्लादेश में राजनीतिक तनाव पहले से बढ़ा हुआ है।

होटल में मिला DU की छात्रा का शव

हरियाणा (एजेंसी)। फरीदाबाद के एक होटल में दिल्ली यूनिवर्सिटी (DU) की 19 वर्षीय छात्रा का शव मिला है। युवती सोमवार से अपने पड़ोस में रहने वाले युवक के साथ होटल में ठहरी हुई थी।वह घर से कॉलेज जाने की बात कहकर घर से निकली थी। मगर, देर रात तक घर नहीं लौटी। जिसके बाद परिवार ने

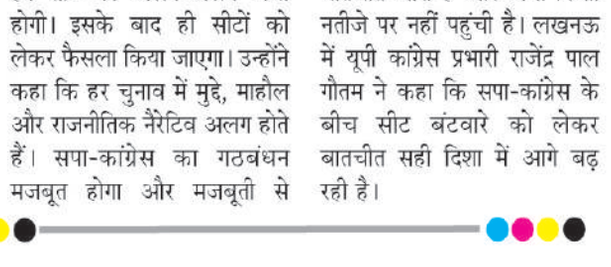


उसकी तलाश शुरू की। गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।सी दौरान सराय थाना पुलिस ने उन्हें होटल रूम में शव पड़ा होने की सूचना दी। परिवार मौके पर पहुंचा तो कमरे से चूहे मारने की दवा की शीशी, कॉलेज बैग और एक सुसाइड नोट मिला।उसके साथ रुका युवक गायब था। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बीके अस्पताल भिजवाया और युवक की तलाश में जुट गई। पुलिस ने युवती के परिवार से भी जानकारी ली। युवती की पहचान अरुणा (19) के रूप में हुई है। वह गांव कुरैशीपुर की गांधी कॉलोनी की रहने वाली थी और दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रही थी। परिजनों के मुताबिक, अरुणा सोमवार सुबह कॉलेज जाने की बात कहकर घर से निकली थी।

यूपी में कांग्रेस ने 125 सीटें मांगी,सपा 26 पर तैयार यूपी

इमरान बोले-भीख नहीं मांग रहे, बैठक के बाद रामगोपाल बोले- फाइनल कुछ नहीं

यूपी (एजेंसी)। सपा-कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग में पेंच फंसता नजर आ रहा है। अखिलेश कांग्रेस को यूपी की 403 विधानसभा सीटों में से सिर्फ 26 सीटें देना चाहते हैं। वहीं, कांग्रेस 125 सीटों की मांग पर अड़ी है। मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी के आवास पर दोनों दलों के नेताओं की करीब सवा 3 घंटे बैठक हुई। बैठक से पहले सपा महासचिव रामगोपाल यादव ने कड़े तेवर में कहा, "मैंने कांग्रेस को 26 सीटें बता दी हैं, जहां से वह अपने उम्मीदवार उतार सकती है।" सपा सांसद राजीव राय ने भी यही बात दोहराई। सपा के इस ऑफर पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने आपत्ति जताई। कहा, "हम किसी से भीख नहीं मांग रहे हैं। यह गठबंधन के लिहाज से ठीक नहीं है। कांग्रेस आज बहुत मजबूत है। 2022 वाली कांग्रेस नहीं रह गई है।" हालांकि अखिलेश का रुख थोड़ा नरम नजर आया। लखनऊ में उन्होंने कहा, "गठबंधन का मकसद चुनाव जीतना है। सपा अपने सहयोगी दलों के लिए सीटें छोड़ने और तालमेल बैठाने को तैयार है, क्योंकि यह बड़ी लड़ाई है और हमारा साझा लक्ष्य जीतना है।" फिलहाल, दोनों दलों के बीच दूसरे दौर की बैठक खत्म हो गई है। दोपहर 12:15 बजे से 3:30 बजे तक करीब 3 घंटे 15 मिनट सीट



शेयरिंग पर चर्चा हुई। बैठक के बाद कांग्रेस और सपा नेताओं के रुख सकारात्मक नजर आए। रामगोपाल और राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि अगले दो दिनों में गठबंधन पर मुहर लग जाएगी।सपा ने कांग्रेस को जिन 26 सीटों की लिस्ट सौंपी है, उनमें से 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सिर्फ 2 सीटों पर जीत पाई थी। 4 सीटों पर पार्टी दूसरे नंबर पर रही थी, जबकि 16 सीटों पर उसकी जमानत जब्त हो गई थी। वहीं, 2022 के चुनाव में सपा ने कुल 111 सीटों पर जीत दर्ज की थी। दिल्ली में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि सपा के साथ सीट बंटवारे पर बैठकें अभी शुरू हुई हैं। हर सीट पर अलग-अलग चर्चा होगी। इसके बाद ही सीटों को लेकर फैसला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हर चुनाव में मुद्दे, माहौल और राजनीतिक नैरेटिव अलग होते हैं। सपा-कांग्रेस का गठबंधन मजबूत होगा और मजबूती से चुनाव लड़ेगा। दोनों दलों के बीच सकारात्मक माहौल में बातचीत चल रही है। दिल्ली में यूपी कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि सपा के साथ सीटों को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई है। अभी बातचीत का सिर्फ पहला दौर पूरा हुआ है। जल्द ही दूसरे दौर की बैठक होगी। जरूरत पड़ने पर दोनों दल फिर साथ बैठेंगे। गठबंधन का सकारात्मक ऐलान होने तक बातचीत जारी रहेगी। दिल्ली में सपा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि सीटों को लेकर दोनों दलों के बीच अलग-अलग चर्चा हो रही है। अभी बातचीत के लिए समय है। सभी सीटों पर चर्चा की जाएगी। बातचीत जारी है और अभी किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। लखनऊ में यूपी कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि सपा-कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

लखनऊ में अखिलेश यादव ने गुरुद्वारे में मत्था टेका

लखनऊ (एजेंसी)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- सीएम के दबाव में इलेक्शन कमीशन 3 करोड़ वोट बढ़ाने जा रहा है। जिन लोगों का वोट जोड़ा जा रहा है, उनका अकाउंट नंबर भी लिया जा रहा है। अकाउंट नंबर जो लिया जा रहा है, यह किसको दिया जाएगा यह सोचने की बात है। इससे पहले अखिलेश यादव मंगलवार को सदर स्थित गुरुद्वारे पहुंचे थे। यहां उन्होंने मत्था टेककर गुरु नानक देव का आशीर्वाद लिया। आधे घंटे से अधिक समय बिताया। सत्संग में शामिल होकर कीर्तन सुना। उन्होंने कहा कि देश के लिए सिख समाज ने कई बलिदान किए, जिसे हमेशा याद किया जाएगा। सिख समाज ने पूरे दुनिया में देश का नाम किया है। गुरुद्वारे पहुंचने पर अखिलेश यादव ने सिर पर पीले रंग का रुमाल बांधा और मत्था टेका। इस दौरान गुरुद्वारा कमेटी की ओर से उन्हें तलवार और प्रसाद भेंटकर सम्मानित किया गया। अखिलेश यादव ने कहा कि सिख समुदाय ने भारत का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया है। देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने में सिख समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। गुरु नानक देव ने हमेशा शांति, एकता और भाईचारे का संदेश दिया।'इलेक्शन कमीशन



पर दबाव बना रही बीजेपी'अखिलेश यादव ने कहा कि जनता समय पर चुनाव चाहती है। कांस्टीट्यूशनल बॉडी की जिम्मेदारी है कि वह निष्पक्ष चुनाव करवाए मगर सवाल उसी पर खड़े हो रहे हैं। बीजेपी की तैयारी है कि 3 करोड़ वोटर कैसे जोड़े। एक तरफ एस्ट की मशीन सही करवाई जा रही है। दूसरी तरफ लगातार इलेक्शन कमीशन पर दबाव बनाया जा रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि पार्टी के जो सीनियर लोग हैं वह बातचीत कर रहे हैं। एक दूसरे की सीटों पर चर्चा हो रही है। दूसरा दल कितनी सीट जीत सकता है, इस पर विचार हो रहा है। सीटों के बंटवारे के संबंध में अभी कुछ कह पाना मुश्किल है। जो गठबंधन होता है, वह इसीलिए कि हम जीत हासिल कर सकें। हम लोग मिलकर ऐसा एडजस्टमेंट करें कि सामने वाले को हरा सकें। 'प्रदेश में इन्वेस्टमेंट नहीं ला पा रही सरकार' अखिलेश यादव ने कहा कि इन्हें पता है की प्रधानी का चुनाव हारने जा रहे हैं, इसलिए उसको समय पर नहीं करवा रहे हैं।

नशीले इंजेक्शन और टैबलेट के साथ एक आरोपी दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाहरी उत्तरी जिले की शाहबाद डेयरी थाना पुलिस ने नशीले पदार्थों की खरीद-फरोख्त के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से ब्यूप्रेनॉर्फिन और नालोक्सोन की 92 टैबलेट (8.55 ग्राम) तथा फेनिरामाइन मैलेट इंजेक्शन की 26 शीशियां बरामद हुई हैं। पुलिस आरोपी के खिलाफ मादक द्रव्य अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच कर रही है। जिला पुलिस उपायुक्त शोभित डी सक्सेना ने बताया कि 20 नवंबर को शाहबाद डेयरी थाने की टीम इलाके में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सेक्टर-26 रोहिणी में ग्राम सभा की पीछे खाली जमीन के पास एक युवक को बैग लेकर संदिग्ध हालात में जाते देखा। पुलिसकर्मियों को देखकर वह तेजी से वहां से निकलने लगा। पुलिस टीम ने उसे तुरंत पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम सुरेश बताया। पुलिस ने उसके बैग की तलाशी ली। उसमें टैबलेट और इंजेक्शन की शीशियां रखी थीं। जांच करने पर टैबलेट पर ब्यूप्रेनॉर्फिन और नालोक्सोन सबलिंगुअल टैबलेट आईपी (वर्नोर-एन) लिखा मिला, जबकि इंजेक्शन की शीशियों पर फेनिरामाइन मैलेट इंजेक्शन आईपी अंकित था। पुलिस ने सभी टैबलेट और इंजेक्शन की शीशियों को जब्त कर लिया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी के खिलाफ बेगमपुर थाने में चोरी का मामला दर्ज है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर बरामद दवाओं के स्रोत और उनकी सप्लाई कहां की जानी थी, इसका पता लगा रही है। साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

जामा मस्जिद थाने की सुरक्षा सख्त, बिना पूछताछ के प्रवेश बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। जामा मस्जिद थाने के भीतर पुलिसकर्मियों पर चाकू से हमले की घटना के बाद थाने की सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। अब थाने के प्रवेश द्वार पर आने वाले लोगों से पूछताछ और उनके आने का कारण जानने के बाद ही अंदर जाने दिया जा रहा है। बिना जांच-पड़ताल किसी को भी थाने में प्रवेश नहीं मिल रहा है। घटना के बाद इलाके में तनाव और दहशत का माहौल देखते हुए आरएएफ की एक टुकड़ी भी तैनात की गई है। गौरतलब है कि सोमवार को जामा मस्जिद थाने में पारिवारिक विवाद के सिलसिले में काउंसलिंग के लिए बुलाए गए नबील ने अचानक पुलिसकर्मियों पर चाकू से हमला कर दिया था। इस घटना में पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। इसके बाद आरोपी थाने से बाहर निकलकर स्कूटी लूटकर फरार हो गया था। पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ने की कोशिश की तो उसने फिर पुलिसकर्मियों पर हमला किया।

कार को रास्ता देने के विवाद में श्रमिक पर तलवार से हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरि नगर इलाके में कार को रास्ता देने को लेकर हुए विवाद में एक श्रमिक पर तलवार से हमला किया गया। पीड़ित की पहचान 26 वर्षीय पंकज के रूप में हुई है। घायल को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी कैमरे के जरिये आरोपी कार चालक की पहचान करने के बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक, 22 नवंबर की देर रात झील वाला पार्क के पास दिल्ली जल बोर्ड का काम चल रहा है। वहां तीन श्रमिक ट्रक से पाइप उतार रहे थे। इसी दौरान वहां एक कार वहां पहुंची। कार चालक और ट्रक चालक के बीच रास्ता देने को लेकर विवाद हो गया। दोनों में कहासुनी होने लगी। यह देखकर श्रमिक तिहाड़ गांव निवासी पंकज ने बीच-बचाव करने की कोशिश की। आरोप है कि इससे नाराज कार चालक ने तलवार से पंकज पर हमला कर दिया। जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

डिलिवरी बॉय बनकर आया, पांच कारों की बैटरियां चुराईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुखर्जी नगर में चोरी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें आरोपी ने डिलिवरी बॉय की पहचान की आड़ में रिहायशी इलाके में खड़ी कारों को निशाना बनाया। आरोपी एक घंटे के भीतर पांच कारों की बैटरियां चोरी कर भाग गया। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, गौरव मुखर्जी नगर इलाके में रहते हैं। मुखर्जी नगर थाने में दर्ज कराई प्राथमिकी में उन्होंने बताया कि मंगलवार सुबह उन्होंने अपनी कार की बैटरी गायब पाई। उन्होंने इसकी सूचना आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों को दी। छानबीन करने पर पता चला कि पांच कारों की बैटरियां चोरी की गई। गौरव ने वारदात की शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान आसपास की सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला, जिसमें पता चला कि बदमाश ने डिलिवरी बॉय की पहचान का इस्तेमाल कर वारदात को अंजाम दिया है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने घटना की पुष्टि की है।

घर से जेवरात चोरी करने वाला एक आरोपी धरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। शकरपुर में घर से सोने-चांदी के जेवरात और मोबाइल फोन चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान शास्त्री नगर निवासी राज हलदर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी किए गए तीन हार और साढ़े तीन जोड़ी बालियां बरामद की हैं। आरोपी से पूछताछ कर पुलिस उसके साथी का पता लगाने की प्रयास कर रही है। पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने बताया कि शकरपुर निवासी राहुल कुमार ने शिकायत दी थी कि आठ नवंबर की रात करीब दो से तीन बजे के बीच जब परिवार सो रहा था, तब घर में घुसे चोर जेवरात और मोबाइल चोरी कर ले गए। नौ नवंबर को शकरपुर थाने में ई-एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसमें दो संदिग्धों की पहचान हुई। सीसीटीवी फुटेज और सूचना के आधार पर पुलिस ने 20 नवंबर को राज हलदर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपने एक साथी के साथ मिलकर चोरी करने की बात कबूल की। पुलिस ने एक दिन की रिमांड के दौरान उसकी निशानदेही पर चोरी के जेवरात बरामद किए।

अवैध शराब के साथ पकड़ी गई महिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। नंद नगरी थाना पुलिस ने अवैध शराब बेचने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान नंद नगरी निवासी सरिका के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास और घर से शराब के 205 क्वार्टर और 42,400 रुपये बरामद किए हैं। पुलिस सारिका से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त अलवाल ने बताया कि 23 नवंबर की रात करीब 9:45 बजे पुलिसकर्मी इलाके में गश्त कर रहे थे। इस दौरान उन्हें एक महिला सफेद थैला लेकर खड़ी दिखाई दी। पुलिस को देखकर वह घर में जाने लगी। शक होने पर पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली तो थैले से शराब के 39 क्वार्टर मिले। इसके बाद घर की तलाशी में 166 क्वार्टर और 42 हजार रुपये बरामद हुए। आरोपी नंद नगरी थाने की बीसी है। उसके खिलाफ पहले से इसी तरह के 20 मामले दर्ज हैं।

'कॉकरोच क्लब' के जवाब में एलएचजेपी शुरू करेगी 'लाल हिट क्लब'

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाल हिट जनता पार्टी (एलएचजेपी) ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 'कॉकरोच क्लब' के जवाब में अपना 'लाल हिट क्लब' शुरू करने की घोषणा की है। यह हास्य और व्यंग्य पर आधारित मंच होगा। इसकी शुरुआत 25 नवंबर को रात नौ बजे यूट्यूब पर होगी। मंच की राष्ट्रीय सह-संयोजक आयुषी सिंह ने कहा कि यह पहल सीजेपी के कॉकरोच क्लब की प्रतिक्रिया के रूप में शुरू की गई है। यहां मीम, नाटक, स्टैंडअप कॉमेडी और अन्य कार्यक्रम होंगे। इसका उद्देश्य युवाओं को राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों से जोड़ना है। मंच के मुताबिक, इसके जरिए युवा सवाल उठा सकेंगे और अपनी बात रख सकेंगे। ऑनलाइन और ऑफलाइन कार्यक्रम भी होंगे। दर्शकों और प्रतिभागियों के लिए नकद पुरस्कार और उपहार भी रखे गए हैं। विजेताओं का चयन योग्यता के आधार पर होगा। यह पहल 'आंखें खोलो साथियो' कार्यक्रम के तहत चलेगी। एलएचजेपी ने स्पष्ट किया कि वह राजनीतिक दल नहीं, बल्कि नागरिक मंच है और चुनाव नहीं लड़ सकता।

गुरु नानक देव जी का दर्शन पूरी मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ: मुख्यमंत्री

- प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा नानक प्याऊ साहिब पहुंचकर मत्था टेका

नई दिल्ली, एजेंसी।
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को श्री गुरु नानक देव के 557वें प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा नानक प्याऊ साहिब पहुंचकर मत्था टेका। उन्होंने गुरुद्वारा साहिब में अरदास कर दिल्लीवासियों और देशवासियों के सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन और दर्शन संपूर्ण मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ के समान है। उन्होंने समाज को सत्य, प्रेम, समानता और मानव सेवा का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में वर्षभर आयोजित कार्यक्रमों का भव्य समापन 12 से 14 दिसंबर तक लालकिले में होगा। पिछले वर्ष नवंबर में लालकिले से ही इन आयोजनों की शुरुआत की गई थी। उन्होंने गुरु संगत, साध संगत और गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को समापन समारोह में शामिल होने का आमंत्रण दिया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और विधायक अशोक गोयल मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने सभी से गुरु साहिब की शिक्षाओं को जीवन में अपनाने और भाईचारे व सद्भाव को बढ़ावा देने की अपील की।कन-



एमसीडी के दिवंगत कर्मचारियों के 65 आश्रितों को मिलेगी अनुकंपा नियुक्ति



नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में कार्यरत दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों को राहत देते हुए महापौर प्रवेश वाही ने 65 आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) के पद पर नियुक्ति की स्वीकृति प्रदान की है। इन सभी की नियुक्ति निगम के इंजीनियरिंग विभाग में की जाएगी।
महापौर ने कहा कि दिल्ली नगर निगम अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ हर परिस्थिति में खड़ा है। जिन कर्मचारियों ने दिल्ली की सेवा में अपना जीवन समर्पित किया, उनके परिवारों की देखभाल करना निगम का नैतिक कर्तव्य है। अनुकंपा के आधार पर दी जाने वाली यह नियुक्ति दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों के प्रति निगम की जिम्मेदारी और सम्मान का प्रतीक है।
महापौर ने कहा कि इन 65 आश्रितों की नियुक्ति से उनके परिवारों को आर्थिक संबल मिलेगा। साथ ही निगम के इंजीनियरिंग विभाग में कर्मचारियों की कमी दूर करने में भी मदद मिलेगी। एमटीएस के रूप में नियुक्त होने वाले कर्मचारी सड़कों, नालों, भवनों और जनसुविधाओं के रखरखाव से जुड़े कार्यों में योगदान देंगे। उन्होंने बताया कि अनुकंपा नियुक्ति के लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए निगम प्रशासन विशेष अभियान चला रहा है। पात्रता की जांच के बाद 65 मामलों को स्वीकृति दी गई है। शेष पात्र मामलों का भी नियमानुसार शीघ्र निस्तारण किया जाएगा। महापौर ने सभी 65 आश्रितों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे अपने दिवंगत परिजनों की तरह ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण के साथ दिल्ली की सेवा करेंगे।

दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के 32 में से 24 मानकों पर सरकार विफल : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की समीक्षा में प्रदूषण नियंत्रण के मामले में दिल्ली का पांच राज्यों में सबसे खराब प्रदर्शन रहने पर भाजपा सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि 32 में से 24 मानकों पर दिल्ली का विफल रहना सरकार और भाजपा शासित नगर निगम की प्रशासनिक नाकामी का प्रमाण है। देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि वाहन, उद्योग, सड़क की धूल, कचरा प्रबंधन और निर्माण गतिविधियों से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए। सरकार समाधान निकालने के बजाय बैठकें और विज्ञापन कर रही है, जबकि दिल्ली की जनता जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर है। उन्होंने नगर निगम की सफाई व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि सफाई कर्मचारियों की संख्या घट रही है, स्वीपिंग मशीनें पर्याप्त नहीं हैं और जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। उन्होंने कहा कि सीएक्यूएम की ओर से जिला स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और प्रदूषण में 15 से 20 प्रतिशत कमी लाने का लक्ष्य देने से भी अब तक की व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार से प्रदूषण के सभी स्रोतों पर ठोस कार्रवाई करने, सफाई कर्मचारियों के रिक्त पद भरने और कचरा प्रबंधन दुरुस्त करने की मांग की।

गुरु नानक देव का समानता व सेवा का संदेश आज भी प्रासंगिक : विजेंद्र गुप्ता



नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि गुरु नानक देव की समानता, करुणा और निःस्वार्थ सेवा की शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितनी सदियों पहले थीं। उनका संदेश हमें स्मरण कराता है कि मानवता जाति, पंथ और धर्म के सभी भेदभावों से ऊपर है तथा सच्ची आस्था का वास्तविक अर्थ दूसरों की सेवा में निहित है।
विजेंद्र गुप्ता ने गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के अवसर पर मंगलवार को गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में माथा टेका और दिल्ली तथा देश की जनता की शांति, समृद्धि एवं कल्याण के लिए अरदास की। गुप्ता ने कहा कि गुरु नानक देव की शिक्षाओं ने सामाजिक भेदभाव को चुनौती दी और प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा एवं समानता को प्रतिष्ठित किया। उन्होंने नाम जपो, किरत करो और वंड छको के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सिद्धांत ईश्वर के स्मरण, ईमानदारी से आजीविका अर्जित करने और दूसरों के साथ मिल-बांटकर रहने की भावना पर बल देते हैं। ये सिद्धांत आज भी करुणा, आपसी सम्मान और सामूहिक उत्तरदायित्व पर आधारित समाज के निर्माण के लिए नैतिक आधार प्रदान करते हैं। अपने दौरे के दौरान अध्यक्ष ने गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब के ऐतिहासिक महत्व को भी स्मरण किया। यह पवित्र स्थल वर्ष 1675 में शहादत के बाद गुरु तेग बहादुर के पार्थिव शरीर के अंतिम संस्कार की स्मृति से जुड़ा है। नौवें सिख गुरु का अंतरात्मा की स्वतंत्रता और धार्मिक आस्था की रक्षा के लिए दिया गया सर्वोच्च बलिदान भारतीय इतिहास का एक अमिट अध्याय है। सिख गुरुओं की विरासत आज भी पीढ़ियों को न्याय, मानवीय गरिमा और धार्मिक सद्भाव के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करती है।
गुप्ता ने कहा कि गुरु नानक देव का 'सरबत दा भला' अर्थात सर्वजन कल्याण का संदेश सार्वभौमिक है और धार्मिक सीमाओं से परे समस्त मानवता को जोड़ता है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे दया, ईमानदार आचरण और निःस्वार्थ सेवा के माध्यम से गुरु जी की शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करें।

गुरु पर्व पर केजरीवाल ने गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में माथा टेका



नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को गुरु पर्व पर गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में माथा टेककर गुरु साहिब का आशीर्वाद लिया। इस दौरान तिलक नगर से विधायक जरनैल सिंह भी उनके साथ मौजूद रहे। इस अवसर पर केजरीवाल ने कहा कि गुरु नानक देव जी का पूरा जीवन मानवता के लिए एक संदेश है। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही समाज में प्रेम, समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत किया जा सकता है। गुरु साहिब की शिक्षाएं कठिन परिस्थितियों में भी हमें सही रास्ते पर चलने की प्रेरणा देती हैं। गुरु पर्व के अवसर पर सभी को 'किरत करो, नाम जपो और वंड छको' के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर देशवासियों और उनके अनुयायियों को शुभकामनाएं भी दीं। विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने अपनी दिव्य वाणी और शिक्षाओं के माध्यम से पूरी मानवता को सत्य, प्रेम, समानता और भाईचारे का मार्ग दिखाया। उनके बताए तीन सिद्धांत आज भी समाज को सही दिशा प्रदान करते हैं। ईमानदारी और मेहनत से आजीविका कमाना, ईश्वर का स्मरण करना तथा अपनी कमाई और खुशियों को दूसरों के साथ बांटना उनकी शिक्षाओं का मूल संदेश है। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब की शिक्षाएं मानवता की सेवा, सभी धर्मों के सम्मान, जाति-पाति से ऊपर उठकर समानता और आपसी प्रेम का संदेश देती हैं। इन आदर्शों को अपनाकर ही सुखी और समृद्ध समाज का निर्माण किया जा सकता है।

प्रदूषण पर नियंत्रण करना सिर्फ दिल्ली की जिम्मेदारी नहीं : सुप्रीम कोर्ट

- वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि प्रदूषण को कम करने की जिम्मेदारी अकेले दिल्ली की नहीं है। शीर्ष अदालत ने प्रदूषण को कम करने के मुद्दे पर सुस्त रवैया अपनाने के लिए पड़ोसी राज्यों पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को फटकार लगाते हुए यह टिप्पणी की है। इस बीच, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि दिल्ली-एनसीआर की सड़कों पर 23.6 लाख से ज्यादा ऐसी गाड़ियां चल रही हैं, जिनकी उम्र पूरी हो चुकी है। आयोग ने कहा है कि बीएस-6 मानकों को पूरा करने वाले वाहनों की तुलना में पुराने वाहनों से अधिक प्रदूषण फैलाती हैं।
देश के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और वी मोहना की पीठ ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की खिंचाई करते हुए इन राज्यों से प्रदूषण कम करने के लिए अधिक जिम्मेदारी लेने और सुनवाई के दौरान अपने-अपने महाधिवक्ता ?की मौजूदगी सुनिश्चित करने को कहा है। दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई करते हुए, सीजेआई ने जोर देकर 'प्रदूषण की समस्या से निपटने की जिम्मेदारी सिर्फ दिल्ली की नहीं हो सकती, पड़ोसी राज्यों को भी इसमें सक्रिय भूमिका निभाना चाहिए।'
सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पड़ोसी राज्य प्रदूषण नियंत्रित करने की इस प्रक्रिया में इतने निष्क्रिय क्यों हैं? वे इसमें सक्रिय रूप से शामिल क्यों नहीं हो रहे हैं? पीठ ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि मामले की सुनवाई पर उनके महाधिवक्ता अदालत में मौजूद रहना चाहिए। पीठ ने 'पड़ोसी राज्यों को आड़े हाथ लेते हुए कहा आप हमें हमेशा पीछे बैठने वालों यानी बैकबेंचर की तरह व्यवहार करते हैं। आप सभी जिम्मेदारी क्यों नहीं लेते?
मामले की सुनवाई पर अपने महाधिवक्ता की मौजूदी सुनिश्चित करें।' इसके साथ ही, शीर्ष अदालत ने राज्यों को यह बताने के लिए विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया कि वे एनसीआर में प्रदूषण कम करने के लिए क्या कदम उठाए हैं। पीठ ने इसका विस्तृत ब्यौरा देने को कहा है। पीठ ने राज्यों से उनके द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में भी सवाल किया और कहा कि एनसीआर में प्रदूषण को कम करने की जिम्मेदारी के लिए समन्वित प्रयासों की जरूरत है।

बीएस-6 मानक के अनुपालन की शर्तों को पूरे एनसीआर में लागू करने का सुझाव

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान बीएस-6 मानक के अनुपालन की शर्तों को दिल्ली से आगे पूरे एनसीआर में क्षेत्र में लागू करने पर भी विस्तार से चर्चा की। शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसा कदम प्रदूषण को कम करने में काफी मददगार साबित हो सकता है। पीठ ने मामले सुनवाई के दौरान सवाल किया कि 'क्या दिल्ली में कमर्शियल वाहनों के प्रवेश को पूरी तरह रोका जा सकता है? साथ ही कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि शहर के लिए जरूरी सामानों की आपूर्ति पर कोई असर न पड़े। पीठ ने माना कि दिल्ली सब्जियों, भोजन और रोजमर्रा की अन्य जरूरतों के लिए पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है।

प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में 15 दिसंबर तक होंगे शहीदी समागम

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरु नानक देव के 557वें प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में मुख्य समागम हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में संगत ने पहुंचकर माथा टेका। उधर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने मानवता की सेवा, ईमानदारी और मेहनत से कमाई करने का संदेश दिया। गुरु साहिब की शिक्षाएं आज भी समाज को सही दिशा दिखाती हैं। गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के साथ ही गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी दिवस के समापन समागमों की तैयारियां भी की जा रही हैं। कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत 27 नवंबर को गुरुद्वारा सीसगंज साहिब में विशाल कवि दरबार आयोजित किया जाएगा, जबकि 29 नवंबर को आगरा स्थित गुरुद्वारा गुरु का ताल से नगर कीर्तन दिल्ली पहुंचेगा। 30 नवंबर से छह दिसंबर तक गुरु साहिब की चरण स्पर्श प्राप्त वस्तुओं के साथ दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में नगर कीर्तन सजाए जाएंगे। सात दिसंबर को वर्ल्ड सिख कॉन्क्लेव होगा, जिसमें विश्वभर में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले सिखों को सम्मानित किया जाएगा। 12, 13 और 14 दिसंबर को लाल किले पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें लाइट एंड साउंड शो भी शामिल होंगे। वहीं 14 दिसंबर को गुरुद्वारा सीसगंज साहिब से गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब तक नगर कीर्तन निकाला जाएगा, जबकि 15 दिसंबर को गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में विशेष दीवान सजाए जाएंगे।

दिल्ली में युवाओं व महिलाओं को मिलेगा अत्याधुनिक कौशल विकास केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली सरकार युवाओं और महिलाओं को कौशल, रोजगार और आत्मनिर्भरता से जोड़ने के लिए महत्वाकांक्षी परियोजना को आकार देने जा रही है। शालीमार बाग में अत्याधुनिक कौशल विकास केंद्र विकसित किया जाएगा, जहां युवाओं को आधुनिक तकनीक और उद्योग की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही, महिलाओं को रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए तैयार किया जाएगा। विशेष रूप से 12वीं पास युवाओं के लिए आईटीआई की तर्ज पर रोजगारपरक तकनीकी पाठ्यक्रम और महिलाओं के लिए बेकरी, ब्यूटी, फैशन, सिलाई और अन्य व्यावहारिक कौशल से जुड़े शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य प्रशिक्षण को केवल प्रमाणपत्र तक सीमित न रखकर उसे रोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता का माध्यम बनाना है।
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि सरकार की प्राथमिकताओं में दिल्ली के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना शामिल है। शालीमार बाग में बनने वाला यह केंद्र इसी सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां प्रशिक्षण को बाजार की मांग और उद्योगों की जरूरतों से जोड़ते हुए युवाओं को आधुनिक कार्यक्षेत्र के लिए तैयार किया जाएगा। महिलाओं को अपनी रुचि, क्षमता और पारिवारिक परिस्थितियों के अनुरूप कौशल सीखने तथा स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के अवसर मिलेंगे। केंद्र में लचीली समय-सारणी, सप्ताहांत बैच और ऑनलाइन-ऑफलाइन प्रशिक्षण की सुविधा भी प्रस्तावित है, जिससे घरेलू जिम्मेदारियों के कारण प्रशिक्षण से वंचित रहने वाली महिलाएं भी अपने हुनर को निखार सकेंगी। यह केंद्र न केवल युवाओं के लिए कौशल विकास का प्रमुख केंद्र बनेगा, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाकर मुख्यधारा से जोड़ने में मील का पत्थर साबित होगा।
मुख्यमंत्री ने बताया कि इस केंद्र के आधुनिक भवन का निर्माण दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी) लगभग आठ एकड़ क्षेत्र में करेगा। डेसू कॉलोनी के पास बनने वाले इस केंद्र में स्मार्ट क्लासरूम, 14 अत्याधुनिक लैब व प्रशिक्षण केंद्र, लाइब्रेरी और लर्निंग रिसोर्स सेंटर, 250 व्यक्तियों की क्षमता वाला मल्टीपर्पज ऑडिटोरियम, कॉन्फ्रेंस और प्लेसमेंट आदि से जुड़ी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। प्रशिक्षण के लिए डिजिटल एवं आईटी लैब, फैशन और टेक्सटाइल लैब, सिलाई एवं हस्तशिल्प, ब्यूटी-वेलनेस, बेकरी एवं फूड प्रोसेसिंग, हेल्थकेयर आदि से संबंधित आधुनिक उपकरण उपलब्ध होंगे।
उन्होंने कहा कि परिसर से सटे लगभग दो एकड़ क्षेत्र में हॉर्टिकल्चर प्रशिक्षण मैदान भी विकसित किया जाएगा, जहां पौधों की देखभाल, पौध स्वास्थ्य और लैंडस्केपिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। दिल्ली के दूर-दराज के क्षेत्रों और बाहर से आने वाले छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वहां हॉस्टल एवं आधुनिक स्पोर्ट्स फैसिलिटी विकसित करने की योजना भी है ताकि प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं को एक संपूर्ण और सुलभ शैक्षणिक माहौल मिल सके।
मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र में महिलाओं के लिए फैशन डिजाइन, सिलाई, कढ़ाई, ब्यूटीशियन, हेयर स्टाइलिंग, बेकरी, फूड प्रोसेसिंग और हस्तशिल्प जैसे पाठ्यक्रम विशेष रूप से उपयोगी होंगे। प्रशिक्षण के बाद महिलाएं नौकरी करने के साथ अपना बुटीक, ब्यूटी सलून, बेकरी, टिफिन सेवा या अन्य व्यवसाय शुरू कर सकेंगी। महिला उद्यमिता एवं इनक्यूबेशन सुविधा के माध्यम से उन्हें व्यवसाय शुरू करने के लिए मार्गदर्शन, मेंटरशिप, बाजार से जुड़ाव और वित्तीय सहायता के अवसरों से जोड़ने की व्यवस्था प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि कामकाजी माताओं की सुविधा के लिए परिसर में 25-25 बच्चों की क्षमता वाली दो क्रैच यूनिट तथा प्राथमिक चिकित्सा के लिए मेडिकल सिक-बे भी बनाया जाएगा। इससे महिलाओं को प्रशिक्षण के दौरान बच्चों की देखभाल की चिंता से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस केंद्र का अकादमिक एवं तकनीकी संचालन सरकार के उच्च शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत आने वाले डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र के माध्यम से किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचे (एनएसक्यूएफ) और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के मानकों के अनुरूप उद्योग आधारित व्यावहारिक कौशल पर केंद्रित होंगे। युवाओं को डिजिटल सेवाओं, आईटी सपोर्ट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रिटेल और हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण मिलेगा। उन्होंने बताया कि पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद रोजगार, अप्रेंटिसशिप अथवा स्वयं का उद्यम शुरू करने के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। इस केंद्र को स्किल इंडिया, मिशन शक्ति, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और 'विकसित भारत-2047' जैसी प्राथमिकताओं से जोड़ते हुए प्रशिक्षुओं के लिए उच्च शिक्षा के आगे के रास्ते भी खोलने की योजना है। विशेष बात यह है कि यहां प्रशिक्षित युवाओं एवं महिलाओं को सरकार की ओर से सर्टिफिकेट भी प्रदान किए जाएंगे, ताकि दूसरी जगहों पर भी रोजगार मिलने में उन्हें आसानी रहे।

डायल-112 जवानों ने मुरैना और रतलाम में सड़क दुर्घटनाओं में घायल 04 लोगों को पहुंचाया अस्पताल

मुरैना में दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में 03 व्यक्ति घायल, रतलाम में ट्रक में फंसे चालक का सुरक्षित रेस्क्यू कर मेडिकल कॉलेज में कराया भर्ती

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुरैना एवं रतलाम जिले में हुई तीन अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में डायल-112 के जवानों ने तत्परता दिखाते हुए घायल हुए चार व्यक्तियों को अस्पताल पहुंचाया। रतलाम में दो ट्रकों की आमने-सामने की टक्कर के बाद ट्रक में फंसे चालक को पुलिस एवं डायल-112 टीम ने सुरक्षित रेस्क्यू कर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। मुरैना जिले के थाना सिविल लाइन क्षेत्र में 24 नवंबर की शाम छौंदा पुल स्थित काली मंदिर के पास मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। सूचना मिलते ही डायल-112 वाहन मौके पर पहुंचा। आरक्षक श्री रघुनाथ सिंह एवं पायलट श्री मनोज पचौरी ने घायल को तत्काल एफआरव्ही वाहन से जिला चिकित्सालय मुरैना पहुंचाया। इसी थाना क्षेत्र में 25 नवंबर को मथुरा मार्केट, मैदा फैक्ट्री के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्ति



घायल हो गए। सूचना पर आरक्षक श्री रघुनाथ सिंह एवं पायलट श्री प्रदीप शर्मा तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और दोनों घायलों को एफआरव्ही वाहन से जिला चिकित्सालय मुरैना में भर्ती कराया। रतलाम जिले के थाना सरवन क्षेत्र में 24 नवंबर रात्रि के समय सरपुरा फंटा नदी की पुलिया के पास दो ट्रकों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। दुर्घटना में एक ट्रक चालक वाहन के अंदर फंस गया। सूचना मिलते ही डायल-112 वाहन मौके पर पहुंचा। आरक्षक श्री हिम्मत सिंह एवं पायलट श्री जितेंद्र ने थाना स्टाफ के साथ समन्वय कर राहत एवं बचाव कार्य किया। थाना प्रभारी निरीक्षक राजशेखर वर्मा, प्रधान आरक्षक श्री हिम्मत सिंह राठौड़, प्रधान आरक्षक श्री विमल निनामा एवं श्री नितेश नलवाया की सहायता से ट्रक में फंसे चालक को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके बाद घायल चालक को एफआरव्ही वाहन से उपचार के लिए रतलाम मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। डायल-112 जवानों की त्वरित कार्रवाई और तत्परता से चारों घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उपचार उपलब्ध कराया जा सका।



हिरनखेड़ी में स्कूल एवं छात्रावास भवन का लोकार्पण, क्षेत्र को मिली शिक्षा की कई सौगातें

धमर्रा और रतुआ के हाई स्कूल होंगे हायर सेकेंडरी में उन्नत, ईंटखेड़ी में खुलेगा सांदीपनि विद्यालय

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

बैरसिया के ग्राम हिरनखेड़ी में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने नवनिर्मित शासकीय हाई स्कूल भवन एवं छात्रावास भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र में शिक्षा सुविधाओं के विस्तार के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

मंत्री सिंह ने हाई स्कूल धमर्रा एवं शासकीय कमोद सिंह जाट हाई स्कूल, रतुआ को हायर सेकेंडरी विद्यालय में उन्नयन करने की घोषणा की। वहीं, ग्राम ईंटखेड़ी में सांदीपनि विद्यालय प्रारंभ किए जाने की घोषणा कर क्षेत्र को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की नई सौगात दी। इसके साथ ही हायर सेकेंडरी स्कूल शाहपुर में आगामी शैक्षणिक सत्र से कृषि एवं वाणिज्य संकाय प्रारंभ किए जाएंगे, जिससे विद्यार्थियों को अपनी रुचि एवं भविष्य की संभावनाओं के अनुरूप विषय चयन के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। वहीं, नलखेड़ा हाई स्कूल के नवीन भवन निर्माण के लिए एस्टीमेट तैयार करवाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

जनजातीय नायक टंट्या मामा के बलिदान दिवस पर प्रदेश के सभी छात्रावासों में होंगे संवाद कार्यक्रम

जनजातीय नायकों के शौर्य और स्वतंत्रता संग्राम में योगदान पर विद्यार्थी करेंगे संवाद : मुख्यमंत्री

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजातीय नायकों का शौर्य और बलिदान देश की अमूल्य विरासत है। इसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना और जनजातीय समाज के समग्र विकास के अवसर सुनिश्चित करना राज्य सरकार का संकल्प है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत के इतिहास में इंडियन रॉबिनहुड के नाम से विख्यात जनजातीय महानायक क्रांतिसूर्य टंट्या भील (टंट्या मामा) के बलिदान दिवस 4 दिसम्बर को प्रदेश के सभी छात्रावासों में विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इससे विद्यार्थी जनजातीय नायकों द्वारा स्वाभिमान की रक्षा के लिए अप्रतिम पराक्रम और राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन में उनकी सक्रिय भागीदारी के बारे में जानेंगे। इन कार्यक्रमों में जनजातीय वर्ग के विद्यार्थी और युवा देश-प्रदेश के जनजातीय नायकों के अदम्य साहस, उनके संघर्ष और राष्ट्र के लिए उनके अतुलनीय योगदान पर परस्पर संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि टंट्या मामा का जीवन अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, मातृभूमि के प्रति समर्पण और अदम्य साहस का प्रतीक है। उन्होंने सीमित संसाधनों के



बावजूद अंग्रेजी हुकूमत को कड़ी चुनौती दी और देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि टंट्या मामा को अंग्रेजों ने राष्ट्रद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर लिया और अंततः 4 दिसम्बर 1889 को तत्कालीन जब्बलपोर (वर्तमान जबलपुर) में फांसी दे दी थी। उनकी शहादत ने चिंगारी का काम किया और स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा और गति प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय वीरों के योगदान को सम्मान और नई पीढ़ी तक उनकी गौरवगाथा पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी भावना से खरगौन में टंट्या मामा के नाम पर क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय की स्थापना की है। वहीं, जनजातीय युवाओं को रोजगार प्रोत्साहन और आर्थिक स्वावलंबन के अवसर उपलब्ध कराने के लिए जनजातीय कार्य विभाग के अधीन मप्र अनुसूचित वित्त विकास निगम द्वारा टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना संचालित की जा रही है। हाल ही में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव सप्ताह का आयोजन कर सभी जनजातीय महानायकों को याद किया है। टंट्या मामा के बलिदान दिवस पर विशेष संवाद कार्यक्रमों का आयोजन इसी संकल्प का हिस्सा है। राज्य सरकार के ये सभी प्रयास जनजातीय शौर्य को सच्ची श्रद्धांजलि है।

मध्यप्रदेश पुलिस में सामुदायिक मध्यस्थता को मिलेगा नया आयाम

पुलिसकर्मियों एवं समुदाय के प्रतिनिधियों को मध्यस्थता की अवधारणा, तकनीक और व्यावहारिक कौशल का दिया जाएगा प्रशिक्षण

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने, पुलिस एवं आमजन के बीच विश्वास और सहभागिता को मजबूत करने तथा स्थानीय स्तर पर उत्पन्न होने वाले विवादों का संवाद एवं आपसी सहमति से समाधान तलाशने के उद्देश्य से 40 घंटे का सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम आज भोपाल में प्रारंभ हुआ। पांच दिवसीय यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 25 से 29 नवंबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल के सहयोग से आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, विज्ञान भवन, नेहरू नगर, भोपाल में संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का स्वरूप ऑफलाइन रखा गया है। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल के सचिव श्री हिमांशु कौशल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की जानकारी दी। श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, भोपाल ने कहा कि मध्यस्थता केवल दो पक्षों के बीच समझौता कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि विवाद के मूल कारणों को समझकर



स्थायी समाधान तलाशना इसका महत्वपूर्ण उद्देश्य है। विशेष रूप से पारिवारिक विवादों में दोनों पक्षों की भावनाओं और परिस्थितियों को समझना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बच्चों, पति-पत्नी, माता-पिता और अन्य पारिवारिक सदस्यों से जुड़े विवादों में संवेदनशीलता के साथ उनकी बात सुनकर समाधान का प्रयास करना चाहिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को मध्यस्थता के मूलभूत सिद्धांतों, सीखने एवं प्रशिक्षण की प्रक्रिया, संघर्ष प्रबंधन एवं समाधान, वैकल्पिक विवाद समाधान, मध्यस्थता एवं न्यायिक प्रक्रिया के बीच अंतर, मध्यस्थ की भूमिका तथा मध्यस्थता की विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक सत्र एवं रोल-प्ले के माध्यम से प्रतिभागियों को वास्तविक परिस्थितियों में विवादों के समाधान का अभ्यास भी कराया जाएगा। सुश्री सुमन श्रीवास्तव, सदस्य सचिव, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने कहा कि भारत में पहली बार यह नवाचार विधिक सहायता को सामुदायिक पुलिसिंग कार्यप्रणाली के साथ जोड़ता है। परिवारों में पति-पत्नी एवं अन्य सदस्यों के बीच उत्पन्न होने वाले विवादों को समय रहते संवाद और मध्यस्थता से सुलझाया जा सकता है। मध्यस्थ का कार्य किसी एक पक्ष का समर्थन करना अथवा निर्णय सुनाना नहीं, बल्कि दोनों पक्षों की बात को धैर्यपूर्वक सुनना, उनकी परिस्थितियों को समझना और उनकी सहमति से समाधान तक पहुंचने में सहायता करना है। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता से समय, धन और पारिवारिक रिश्तों की रक्षा होती है।

गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र का विकास निरंतर तरक्की की ओर अग्रसर : राज्यमंत्री गौर

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर कुल 3 करोड़ 23 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत विकास एवं निर्माण कार्यों का विधिवत पूजन कर शिलान्यास किया। राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने कहा कि गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र विकास



का पर्याय बनकर निरंतर तरक्की की ओर अग्रसर है। क्षेत्र में विकास कार्यों की अनदेखी संभव नहीं है। जनता का अभूतपूर्व उत्साह और प्रगाढ़ विश्वास ही हमें जनसेवा एवं क्षेत्र के नवनिर्माण की ऊर्जा प्रदान करता है। जब क्षेत्र में सतत विकास कार्य संपादित होते हैं, तो नागरिकों की अपेक्षाएं बढ़ना स्वाभाविक है और उन अपेक्षाओं को पूर्ण करना ही हमारा सर्वोपरि लक्ष्य है। जनसुविधाओं का सुदृढ़ीकरण एवं क्षेत्र को प्रगति पथ पर निरंतर अग्रसर रखना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। राज्यमंत्री गौर ने कहा कि जनता की सेवा और क्षेत्र का विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश को नई पहचान मिली है और विकास के नए अवसर सृजित हुए हैं। क्षेत्र में विकास की निरंतर धारा प्रवाहित हो रही है। गरीबों के कल्याण और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार काम किया जा रहा है। प्रत्येक बस्ती में सड़क, पानी और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। विकास कार्यों का उद्देश्य केवल निर्माण कराना नहीं, बल्कि आमजन के जीवन को सुविधाजनक बनाना है। क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को बेहतर सड़क, जल निकासी और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्रतिबद्धता है। विकास कार्यों के अंतर्गत वार्ड 57 की विश्वकर्मा नगर स्लम बस्ती के बिहारी मोहल्ला और बंगाली मोहल्ला में 18 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली सीसी सड़कों का भूमिपूजन किया गया।

जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर भोपाल में राज्य स्तरीय सम्मेलन और प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित



जनगणना के आंकड़े आगामी वर्षों की विकास योजनाओं एवं नीति निर्धारण का महत्वपूर्ण आधार, डेटा की शुद्धता और गुणवत्ता सर्वोपरि : मुख्य सचिव बर्णवाल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश में समयबद्ध, सुव्यवस्थित और पूर्ण सटीकता के साथ जनगणना 2027 संपन्न कराने की तैयारियों के तहत भोपाल स्थित आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में राज्य स्तरीय सम्मेलन और प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। जनगणना कार्य निदेशालय, मध्यप्रदेश एवं गृह विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सम्मेलन में प्रदेश के मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल, अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय कुमार शुक्ला, भारत सरकार के जनगणना उप महानिदेशक विश्वजीत दास सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने सहभागिता की। सम्मेलन में प्रदेश के सभी संभागायुक्तों, 55 जिलों के कलेक्टर्स, नगर निगम आयुक्तों एवं जनगणना कार्य से जुड़े राज्य एवं जिला स्तरीय अधिकारियों को आगामी जनगणना की तैयारियों, प्रशासनिक दायित्वों, डिजिटल तकनीक और प्रशिक्षण व्यवस्था के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जनगणना के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) में प्रदेश की उपलब्धियों की समीक्षा करने के साथ द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना) की तैयारियों को अंतिम रूप देना तथा डिजिटल स्व-गणना की प्रक्रिया से प्रशासनिक अमले को अवगत कराना रहा। सम्मेलन में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना नहीं, बल्कि आगामी वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, अधोसंरचना, रोजगार, परिवहन और आर्थिक विकास से जुड़ी योजनाओं के निर्माण और संसाधनों के उचित आवंटन का महत्वपूर्ण आधार है। मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने अपने संबोधन में कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़ों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता का देश एवं प्रदेश की विकास योजनाओं पर सीधा प्रभाव पड़ता है। देश की विशाल आबादी के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी नियोजन प्रामाणिक आंकड़ों पर निर्भर करता है। यदि आंकड़ों के संकलन का आधार कमजोर होगा, तो उसके आधार पर बनाई जाने वाली नीतियां और योजनाएं भी प्रभावित होंगी।

राज्यपाल द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा

चुनौतियों के समाधान में अंतर्विभागीय समन्वय जरूरी : राज्यपाल पटेल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि पी.एम. जन मन योजना एवं धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना की सफलता के लिए एकल प्रयास पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि योजना अंतर्गत हो रहे कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी पंचायत पदाधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत से लेकर क्षेत्र के अन्य सभी अधिकारी-कर्मचारियों की जिम्मेदारी है। लक्षित समुदाय के उत्थान के लिए अंतर विभागीय समन्वय के साथ चुनौतियों के समाधान खोजे जाने और क्रियान्वयन की गुणवत्ता को सुनिश्चित किया जाना चाहिए। राज्यपाल पटेल बुधवार को लोकभवन के संदीपनी सभाकक्ष में जनजाति प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक का आयोजन प्रधानमंत्री जन मन योजना और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना में महिला एवं बाल विकास विभाग की भूमिका की समीक्षा के लिए किया गया था। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री सु निर्मला भूरिया, जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दीपक खांडेकर महिला एवं बाल विकास आयुक्त संदीप जी.आर., जनजातीय प्रकोष्ठ की सचिव मती मीना सिंह, राज्यपाल के उपसचिव सुनील दुबे जनजातीय प्रकोष्ठ के सदस्य, लोकभवन एवं महिला बाल विकास विभाग के अधिकारीगण मौजूद थे। राज्यपाल पटेल ने कहा कि प्रवासी श्रमिक परिवारों के बच्चों के पोषण के साथ ही शिक्षा की चिंता भी की जानी चाहिए। उनके लिए छात्रावास



जैसी पहल पर भी विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं की सफलता के लिए छोटी-छोटी व्यावहारिक बातों पर भी ध्यान दिया जाना बहुत जरूरी है, कई बार उनकी उपेक्षा बड़ी दुर्घटना का कारण बन जाती है। इसलिए जरूरी है कि कार्यों की समीक्षा बारीकी के साथ की जानी चाहिए। राज्यपाल पटेल ने कहा कि मातृ शिशु स्वास्थ्य और पोषण के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों का नियमित संचालन जरूरी है। आंगनबाड़ी केंद्रों तक बारहमासी पहुंच को सुनिश्चित किया जाए। आंगनवाड़ी भवनों के गुणवत्ता पूर्ण निर्माण के लिए ग्रामीण विकास विभाग और महिला बाल विकास विभाग संयुक्त निरीक्षण की पहल करें। अति पिछड़ी जनजातीय समुदाय की महिलाओं को मिलने वाली योजनाओं आहार, अनुदान और लाडली बहन के क्रियान्वयन संबंधी प्रक्रियाओं की समीक्षा कर आवश्यक सुधार किया जाए। महिला एवं बाल विकास मंत्री सु निर्मला भूरिया ने कहा कि विभाग द्वारा पोषण प्रयासों के तहत निरंतर नवाचार किए जा रहे हैं। झाबुआ में आयुष तेल के माध्यम से बच्चों की मालिश के बहुत अच्छे परिणाम प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि पोषण प्रयासों पर केंद्रित दृष्टि के साथ प्रवासी श्रमिक परिवार की माता और बच्चों के पोषण के संबंध में भी विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने अन्न के पोषण आहार में उपयोग के लिए अन्न की सभी जिलों में उपलब्धता के संबंध में चर्चा की। आयुक्त महिला एवं बाल विकास विभाग संदीप जी.आर ने विभाग द्वारा किए गए कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया।

बिना मैदा के बनेगी आलू-प्याज की कुरकुरी पैटीज, ये आसान रेसिपी है बेस्ट



आप घर पर ही कुरकुरी पैटीज बना सकते हैं. खास बात है कि इसके लिए आपको मैदा की जरूरत नहीं पड़ेगी. चलिए आपको बताते हैं कुरकुरी होममेड पैटीज की बेस्ट रेसिपी...

आलू पैटी बेस्ट स्ट्रीट फूड है लेकिन इसको बनाने में हाइजीन और गंदे ऑयल का यूज मन को खट्टा कर देते हैं. इसे बनाने में मैदा का इस्तेमाल होता है इस वजह से भी अधिकतर लोग इसे अनहेल्दी मानते हैं. पर क्या आप जानते हैं कि घर में मौजूद प्याज और आलू से स्वादिष्ट कुरकुरे वेजिटेबल पैटीज बना सकते हैं. ये पैटीज बाहर से कुरकुरे और अंदर से नरम होते हैं, और क्रीमी चीज सॉस और लहसुन-डिल सॉस के साथ खाने में बहुत ही स्वादिष्ट लगते हैं.

पैटी बनाने की विधि

सबसे पहले, दो प्याज को आधा काटकर छील लें. प्याज को बड़े छेद वाले ग्रेटर से कद्दूकस करें और एक गहरे बर्तन में निकाल लें. फिर, दो आलू छीलकर उसी ग्रेटर से कद्दूकस कर लें. इन्हें कद्दूकस किए हुए प्याज के साथ मिला लें. आलू को काला होने से बचाने के लिए जल्दी से काम करना जरूरी है. अब, कद्दूकस की हुई सब्जियों पर ठंडा पानी डालें और अच्छी तरह धो लें. इससे अतिरिक्त स्टार्च निकल जाएगा और पैटीज चिपचिपी नहीं बनेंगी. पानी छान लें और सब्जियों से अतिरिक्त पानी हाथों से निचोड़ लें. यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण चरण है ताकि पैटीज अपना आकार बनाए रखें.एक पैन में जैतून का तेल गरम करें और कटी हुई सब्जियों को 5-7 मिनट तक भूनें. इस दौरान प्याज मीठा हो जाएगा और आलू नरम और खुशबूदार हो जाएंगे. सब्जियां नरम होनी चाहिए, लेकिन पूरी तरह से नरम नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनमें थोड़ा सा टेक्सचर होना चाहिए. तली हुई सब्जियों को एक गहरे बर्तन में निकाल लें. स्वादानुसार नमक और काली मिर्च डालकर अच्छी तरह मिला लें. फिर, 4 बड़े चम्मच कॉर्नस्टार्च या कोई भी मैदा डालें और सुनिश्चित करें कि सभी सामग्री अच्छी तरह मिल गई हैं. यह मैदा पैटीज को मजबूती देगा और तलने पर उन्हें कुरकुरा बनाएगा.

मिश्रण से छोटे-छोटे हिस्से लें और हाथों को थोड़ा पानी से गीला करके उन्हें पैटीज का आकार दें. अब, एक पैन में जैतून का तेल गरम करें और पैटीज को दोनों तरफ से सुनहरा भूरा होने तक तलें. पैन में ज्यादा पैटीज न डालें और सुनिश्चित करें कि पैटीज के लिए पर्याप्त जगह हो ताकि वे समान रूप से पकें.

क्रीमी चीज सॉस बनाना

एक छोटे पैन में 30 ग्राम मक्खन पिघला लें. मध्यम आंच का इस्तेमाल करें ताकि मक्खन जले नहीं. 1 बड़ा चम्मच मैदा डालें और चलाते हुए एक मिनट तक पकाएं जब तक कि कच्ची महक गायब न हो जाए. फिर, 150 मिलीलीटर क्रीम डालें और लगातार चलाते रहें ताकि गुठलियां न पड़ें.स्वादानुसार नमक और काली मिर्च डालें और चलाते हुए तब तक पकाएं जब तक सॉस गाढ़ा न हो जाए. अंत में, कद्दूकस किया हुआ चेडर चीज डालें और 2-3 मिनट तक पकाएं जब तक कि चीज पूरी तरह से पिघल न जाए और सॉस चिकना न हो जाए. एक और सॉस बनाने के लिए, एक कटोरे में 1 छोटा चम्मच केचप, 1 बड़ा चम्मच मेयोनीज और 1 कटा हुआ लहसुन लें.सभी को अच्छी तरह मिला लें. अंत में, बारीक कटी हुई ताजी डिल की पत्तियां डालें और फिर से मिला लें. यह सॉस पैटीज को एक ताजा और स्वादिष्ट स्वाद देता है.

संविधान का मंत्र जाप, संसद के गले में फांसी!



इस बार के संविधान दिवस के मौके पर, भारतीय संविधान के हृदय, संसदीय जनतांत्रिक व्यवस्था के साथ जो कुछ हो रहा है, खुद मोदीशाही के पैमाने से भी अभूतपूर्व है। हो यह रहा है कि आज इस पर गंभीरता से प्रश्न उठ रहे हैं कि क्या इस बार संसद का शीतकालीन सत्र होगा भी या नहीं? और ये सवाल सिर्फ इसलिए खड़े नहीं हुए हैं कि जहां सामान्य परंपरा के अनुसार, 26 नवंबर को संविधान दिवस के पालन के मौके तक संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो चुका होना चाहिए था, जो क्रिसमस से पहले ही पूरा हो जाया करता है।विडंबना का इससे पैना उदाहरण मिलना मुश्किल है। देश संविधान दिवस मनाने की जोर-शोर से तैयारियां कर रहा है। मोदी सरकार ने खुद ही संविधान के संबंध में आधिकारिक रूप से यह नया दिवस मनाने की परंपरा शुरू करायी है और इस बात की याद दिलाने में वह कभी नहीं चूकती है। भारतीय संविधान के उत्सव के पालन की यह नयी परंपरा डाले जाने से पहले तक, भारतीय संविधान के लागू किए जाने के दिन, 26 जनवरी का गणतंत्र दिवस के रूप में और राष्ट्रीय परेड के साथ पालन किए जाने को, संविधान के प्रति निष्ठा जताने के लिए काफी समझा जाता था।बहरहाल, इस बार संविधान दिवस के मौके पर जो कुछ हो रहा है, उससे तो ऐसा लगता है कि मोदी सरकार ने डा. अंबेडकर के संविधान को एक शासकीय ईवेंट की भेंट चढ़ाकर, उससे ज्यादा से ज्यादा पूजा की एक मूर्ति तक सीमित कर, निपटाने का मन बना लिया था। देश ने अब तक जिंदा चीजों को स्मारक बनाकर निपटाने के इस पैंतरे को बखूबी पहचान लिया है। 2014 में संसद की चौखट पर माथा टेकने के बाद, तब के संसद भवन के साथ मोदी ने क्या किया है, सब की आंखों के सामने है।बहरहाल, इस बार के संविधान दिवस के मौके पर गंभीरता से प्रश्न उठ रहे हैं कि क्या इस बार संसद का शीतकालीन सत्र होगा भी या नहीं? और ये सवाल सिर्फ इसलिए खड़े नहीं हुए हैं कि जहां सामान्य परंपरा के अनुसार, 26 नवंबर को संविधान दिवस के पालन के मौके तक संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो चुका होना चाहिए था, जो क्रिसमस से पहले ही पूरा हो जाया करता है, इस बार इस सत्र का शुरू होने तो दूर रहा, सत्र की शुरूआत का नोटिस तक नहीं जारी हुआ है, स्थापित परंपरा के अनुसार जिसके कम से कम चौदह दिन के बाद सत्र शुरू होता है। लेकिन, बात सिर्फ शीतकालीन सत्र में विलंब होने की नहीं है। मुद्दा यह भी है कि शीतकालीन सत्र बुलाने का नोटिस इसलिए जारी ही नहीं हो सकता है कि, इससे पहले का मानसून सत्र, 13 अगस्त को वंदे मातरम के सभी अंतरों के गाए जाने की रस्म पूरी करने के साथ अनिश्चित काल के लिए स्थगित तो किया गया था, लेकिन अब तक औपचारिक रूप से उसका सत्रावसान ही नहीं हुआ है। मानसून सत्र के सत्रावसान के बिना, अगले सत्र के बुलाए जाने का नोटिस जारी किया ही नहीं जा सकता है।13 अगस्त को अनिश्चित काल के लिए स्थगित किए जाने के बाद, लगभग सौ दिन तक सत्रावसान ही नहीं किया जाना, अपने आप में एक रिकार्ड है जो मोदी सरकार ने बनाया है। लेकिन, असली मुद्दा यह है कि यह कुख्यात रिकार्ड मोदी सरकार ने क्यों बनाया है? इसी साल, बजट सत्र के आखिर में मोदी सरकार ने महिला आरक्षण के लागू किए जाने का रास्ता बनाने की आड़ में, परिसीमन का दरवाजा खोलने के लिए जो 131वां संविधान संशोधन विधेयक पेश किया था, पर्याप्त सहमति और समर्थन के अभाव में 17 अप्रैल को लोकसभा में पराजित हो गया था। प्रकटत- सरकार के संविधान संशोधन पारित कराने के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत से बहुत पीछे होने के बावजूद, जैसा कि मोदी सरकार ने कायदा ही बना लिया है, उसने विपक्ष के साथ संबंधित मुद्दों पर खुला संवाद करने तथा विपक्ष की आशंकाओं तथा चिंताओं के निराकरण के लिए मिलकर समाधान खोजने का कोई प्रयास करना तो दूर, देश की संसदीय राजनीति में भारी फेर-बदल करने के इस विचार पर एक सर्वदलीय बैठक तक बुलाना जरूरी नहीं समझा था। इसके बजाए, उसने विपक्ष की कतारों में तोड़-फोड़ के जरिए ही, संसद में अपने साधारण बहुमत को, दो-तिहाई बहुमत में तब्दील करने की कोशिश की थी, जिसने विपक्ष की आशंकाओं को और भी बढ़ा दिया और संशोधन प्रस्ताव गिर गया। इसके बाद मोदी सरकार ने तीन विधेयकों के उस पैकेज को ही वापस ले किया था, जिसके हिस्से के तौर पर उक्त संविधान संशोधन विधेयक पेश किया गया था।मोदी सरकार के लिए संसद का मानसून सत्र और भी खराब साबित हुआ। परीक्षा प्रणाली में भ्रष्टाचार व गंभीर गड़बडिय़ों की चिंताओं से शुरू होकर, युवाओं की शिक्षा, रोजगार तथा अपनी बात कहने की आजादी तक की चिंताओं की अभिव्यक्ति में रूप में, कॉकरोच जनता पार्टी तथा वामपंथी छात्र संगठनों के माध्यम से जंतर-मंतर पर केंद्रित हुए जेन जी के शांतिपूर्ण तथा पूरी तरह से संवैधानिक आंदोलन को कुचलने की अपनी कोशिशों में, सरकार को मुंह की खानी पड़ी। उसे न सिर्फ %हमारे राज में इस्तीफे नहीं होते' के अपने तानाशाहाना हठ को छोड़कर, शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेना पड़ा, बल्कि अपने शासन की तेजी से गिरती साख को बचाने के लिए, खुद प्रधानमंत्री को जेन जी से उसकी भाषा में अपने मन की बात करने की हास्यास्पद कोशिशें तक करनी पड़ीं। पूरा मानसून सत्र इसी मांग पर खींच-तान में निकल गया कि इस सत्र के पहले दिन, युवाओं के संसद मार्च पर पुलिस ने जो बर्बरता की थी, उस पर केंद्रीय गृहमंत्री जवाब दें, लेकिन गृहमंत्री तथा प्रधानमंत्री भी, पूरे सत्र के दौरान एक बार भी संसद में नहीं आए।लेकिन, मानसून सत्र के अनिश्चित काल के लिए स्थगन के बाद गुजरे करीब सौ दिन, सरकार के लिए और भी मुश्किलों भरे रहे हैं। इस दौरान, मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण या एसआइआर के नाम पर, ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग द्वारा थोक के हिसाब से और टार्गेटेड तरीके से महिलाओं तथा अल्पसंख्यकों समेत, गरीब तथा कमजोर तबके के लोगों का मताधिकार छीने जाने की सचाई, खुलकर सामने आ गयी। प. बंगाल, उत्तराखंड, झारखंड, तेलंगाना, कर्नाटक आदि राज्यों में अल्पसंख्यकों के मताधिकार पर फार्म-7 आदि के जरिए, सत्ताधारी भाजपा के पक्ष में टार्गेटेड हमलों की लगातार आती खबरों के बाद, जब देश की राजधानी दिल्ली में 2025 के विधानसभा चुनाव की मतदाता सूचियों से एक-तिहाई से ज्यादा मतदाताओं के नाम काटे जाने और इससे भी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम तार्किक विसंगति के नाम पर विवादित सूची में डाले जाने के बाद, लोगों का विक्षोभ उबाल पर पहुंच गया।तभी इंडियन एक्सप्रैस तथा अन्य प्रकाशनों के भी खुद चुनाव आयुक्तों के बीच असहमतियों समेत, सूची में नाम हटाए जाने की व्यवस्था के पूरी तरह से केंद्रीकृत किए जाने तथा मनमाने तरीके से संचालित किए जाने के भंडाफोड़ों ने लोगों के गुस्से को विस्फोट का रूप दे दिया, जिसे एक ओर विपक्ष और दूसरी ओर युवा पीढ़ी तथा उसके एक हिस्से की अभिव्यक्ति के रूप में कॉकरोच जनता पार्टी ने सड़कों पर प्रदर्शनों का रूप दे दिया। इन प्रदर्शनों को हर कीमत पर दबाने की अपनी कोशिश में, मोदी सरकार ने इसी धारणा को और पुख्ता करने का ही काम किया कि सत्ताधारी पार्टी तथा उसके सहयोगी दल, चुनाव आयोग की मदद से, जनतांत्रिक व्यवस्था से चुनावों को ही चुराने की कोशिश कर रहे हैं।इसी संदर्भ में परिसीमन के जरिए, संसदीय राजनीति का भूगोल ही बदलने की मौजूदा सत्ताधारियों की अति-उत्सुकता, इसके पीछे सत्ता पर अपना शिकंजा स्थायी करने के जरिए, चुनाव और जनतंत्र को ही बेमानी बनाए जाने के खेल की ओर इशारा करती है। प्रतिनिधित्व के असंतुलन को दूर करने के नाम पर, यह कसरत देश के राज्यों के बीच ताकतों के संतुलन को बुनियादी तौर पर बदलने और सत्तारूढ़ संघ-भाजपा से प्राय- दूरी बनाए रहे दक्षिण का राजनीतिक वजन तुलनात्मक रूप से घटाने काम तो करेगी ही, इसके साथ ही यह सत्ताधारियों के मन-माफिक चुनाव क्षेत्रों की काट-छांट के जरिए मतदाताओं की काट-छांट के जरिए, एसआइआर से शुरू हुए.

संपादकीय

सौरव दास को रोककर सरकार ने की गलती

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार अपने विरोधियों और आलोचकों से कितना घबराती है, इसके प्रमाण बार-बार सामने आ रहे हैं। ताजा उदाहरण सौरव दास का है। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास को ब्रिटेन में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के छात्रसंघ ने लेक्चर देने के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन उन्हें एयरपोर्ट पर रोक दिया गया। सोमवार देर रात की इस घटना पर दिल्ली एयरपोर्ट से ही एक वीडियो बनाकर सौरव दास ने कहा कि %मैं दिल्ली एयरपोर्ट पर हूं। मेरी फ्लाइट दिल्ली से लंदन की एक बजे रात को थी। मैं ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी जा रहा था, वहां यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट यूनियन ने मुझे बुलाया था। जैसे ही मैं इमिग्रेशन चेक पर गया तब मुझे पता चला कि मेरा पासपोर्ट, फ्लैग कर दिया गया है। कायर सरकार ने देश से बाहर जाने से रोक दिया।% बता दें कि पासपोर्ट फ्लैग करने का आमतौर पर मतलब है कि इमिग्रेशन या सुरक्षा एजेंसियों के डेटाबेस में किसी पासपोर्ट के साथ एक ख़ास अलर्ट या निशान जोड़ देना। अगर किसी का पासपोर्ट फ्लैग किया गया हो तो इमिग्रेशन के वक्त पासपोर्ट की स्कैनिंग में यह दिख जाता है, जिसका मतलब होता है कि उस शख़्स की अतिरिक्त जांच या उसके संबंध में कोई कार्रवाई करने की ज़रूरत है।मतलब सौरव दास के पासपोर्ट में पहले ही कोई निशान गृहमंत्रालय की तरफ से जोड़ दिया गया, और इमिग्रेशन पर पहुंच कर उन्हें इसकी जानकारी हुई। अंतरराष्ट्रीय यात्रा के दौरान देश में प्रवेश करने या बाहर जाने पर पासपोर्ट और यात्रा दस्तावेजों की आधिकारिक जांच इमिग्रेशन या आव्रजन काउंटर पर की जाती है।आमतौर पर अपराधियों या संदिग्ध व्यक्तियों के लिए इस तरह के पासपोर्ट फ्लैग करने का काम किया जाता है, ताकि कानूनी शिकंजा कसा जा सके और वह व्यक्ति विदेश न भाग पाए। लेकिन सौरव दास के साथ ऐसा सलूक क्यों हुआ। उनकी किस गतिविधि के कारण उनके पासपोर्ट पर अलर्ट जारी किया गया, इसकी जानकारी सरकार की तरफ से नहीं मिली है। अलबत्ता सौरव दास ने यह सवाल जरूर उठाया है कि %सरकार को क्या डर है कि एक युवा पढ़े-लिखे लोगों के बीच जा रहा है। काश मैं नीरव मोदी और विजय माल्या होता, मैं करोड़ों रुपये बैंकों से लूट लेता।% सौरव दास ने यह भी कहा कि ये सरकार कॉकरोच मूवमेंट से डरती है। ये सब करके क्या होगा। लगता है कि डर जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं होगा।

नीरव मोदी और विजय माल्या जैसे भगोड़ों का नाम लेकर सौरव दास ने मोदी सरकार पर बड़ा हमला बोला है, क्योंकि इन दोनों के समेत कुछ और लोग देश के बैंकों से पैसे चोरी कर के विदेश चले गए और सरकार इन्हें नहीं रोक पाई। जिस तरह सौरव दास का पासपोर्ट फ्लैग किया गया, वैसा ही काम ऐसे लुटेरों के लिए क्यों नहीं किया गया। भले नीरव मोदी और विजय माल्या को भागे हुए कई साल बीत चुके हैं, लेकिन उनका इस तरह ज़िक्र अब भी आना यह जाहिर कर रहा है कि इस देश का युवा कुछ भूला नहीं है।सीजेपी के संस्थापक अभिजित दिपके ने भी मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए लिखा है कि क्या सौरव के पासपोर्ट में कोई गड़बड़ी है? उनका पासपोर्ट तो 2019 में इसी सरकार ने जारी किया था। सात साल तक उन्हें कोई गड़बड़ी नहीं दिखी, लेकिन सीजेपी के बनने और सौरव के उसका एक प्रमुख चेहरा बन जाने के बाद अचानक उन्हें इसमें गड़बड़ी कैसे दिख गई? वहीं इस संबंध में सीजेपी की कानूनी सलाहकार रत्ना सिंह ने एक्स पर लिखा कि- सौरव और मुझे दोनों को ऑक्सफोर्ड यूनियन ने आमंत्रित किया था। कुछ दिन पहले मेरा वीजा रिजेक्ट कर दिया गया था। इसे फिर भी स्वीकार किया जा सकता था, क्योंकि इसमें सरकार का कोई सीधे तौर पर हस्तक्षेप नजर नहीं आ रहा था। हालांकि, अब जो हुआ है, वह बिल्कुल यकीन करने लायक नहीं है। यह शर्मनाक है कि इस देश के युवाओं को निशाना बनाया जा रहा है।

सीजेपी से जुड़े लोगों के ये बयान जाहिर कर रहे हैं कि मोदी सरकार को अब कई और कठिन सवालों का सामना करना पड़ेगा।

मध्य शक्तियों के उदय की चर्चा : भारत की भूमिका?



दुनिया को आज केवल एक और महाशक्ति की नहीं, बल्कि ऐसे प्रभावशाली देशों की भी जरूरत है जो शक्ति-संतुलन बनाएं, वैश्विक संस्थाओं को अधिक लोकतांत्रिक बनाएं और संवाद-सहयोग के रास्ते खुले रखें। भारत की आर्थिक क्षमता, अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता और रणनीतिक स्थिति उसे इस भूमिका के लिए अवसर प्रदान करती है। महाशक्ति बनना भारत का लक्ष्य हो सकता है, लेकिन मध्य शक्तियों का नेतृत्व करना उसका आज का अवसर है।जनवरी 2026 में दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच की बैठक में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मध्य शक्तियों को एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा था, %मध्य शक्तियों को एकजुट होना होगा, क्योंकि यदि वे निर्णय लेने की मेज पर नहीं हैं, तो दूसरे उनके भविष्य का फैसला करेंगे।'कार्नी का यह वक्तव्य केवल कूटनीतिक सलाह नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक व्यवस्था की वास्तविकता को रेखांकित करता है। अमेरिका और चीन जैसी महाशक्तियां अपने आर्थिक, सैन्य और तकनीकी प्रभाव से दूसरे देशों पर दबाव बना रही हैं। ऐसे में कनाडा, भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया और जापान जैसे देशों के सामने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और राष्ट्रीय हितों की रक्षा की चुनौती है।कार्नी अमेरिका के विरुद्ध नया गुट बनाने के बजाय समान हितों वाले देशों के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिजों और वैश्विक संस्थाओं में सुधार के लिए सहयोग बढ़ाने पर जोर देते हैं, ताकि वैश्विक निर्णयों में उनकी भागीदारी प्रभावी हो सके।मध्य शक्ति की अवधारणा के अंतर्गत ऐसे देश आते हैं, जो महाशक्तियों जैसी प्रभुत्वकारी क्षमता न रखते हुए भी अपनी आर्थिक, भौगोलिक और कूटनीतिक सामर्थ्य से वैश्विक निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं। भारत की बहु-संरेखण नीति इसी सोच को दर्शाती है। वह राष्ट्रीय हितों के अनुरूप विभिन्न शक्ति-समूहों से सहयोग करता है। मध्य शक्तियों के सहयोग की यह बहस गुटनिरपेक्ष आंदोलन की स्वतंत्र विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भावना की याद दिलाती है।मध्य शक्तियों की कोई सर्वमान्य सूची नहीं है और उनके राजनीतिक, आर्थिक तथा सुरक्षा संबंधी हित भी अलग-अलग हैं। जापान और दक्षिण कोरिया की सुरक्षा अमेरिका से जुड़ी है, भारत रणनीतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता देता है, जबकि ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका विकासशील देशों के हितों पर जोर देते हैं। कनाडा और जर्मनी भी अपनी निर्भरता पर पुनर्विचार कर रहे हैं। इसलिए इनके लिए स्थायी राजनीतिक या सैन्य गठबंधन के बजाय साझा हितों पर मुद्दा-आधारित सहयोग अधिक व्यावहारिक है।इस संदर्भ में अमेरिका, चीन और रूस की स्थिति भी महत्वपूर्ण है। चीन आर्थिक और सैन्य रूप से तेजी से उभरा है। आर्थिक असंतुलन और पड़ोसी देशों से अविश्वास जैसी चुनौतियों के बावजूद वह वैश्विक व्यवस्था को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों से दबाव के बावजूद रूस की परमाणु शक्ति, ऊर्जा संसाधन और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता उसे प्रभावशाली बनाए हुए हैं। वहीं, अमेरिका का सैन्य और वित्तीय प्रभाव अब भी व्यापक है, हालांकि चीन की बढ़ती शक्ति को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।इस बहस में भारत की स्थिति विशिष्ट है। विशाल जनसंख्या, बड़ी अर्थव्यवस्था, परमाणु क्षमता और व्यापक बाजार के साथ उसकी भौगोलिक स्थिति तथा पश्चिमी देशों और ग्लोबल साउथ से संवाद की क्षमता उसे विशेष स्थान देती है। 2023 में जी-20 की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्यता दिलाने और विकासशील देशों के मुद्दों को प्रमुखता देने में भी भारत ने अहम भूमिका निभाई।लेकिन मुख्य प्रश्न है कि क्या भारत इस अवसर को पहचान रहा है? 13 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकानॉमी फोरम में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत को %मिडिल पावर' या मध्य शक्ति कहे जाने पर अपनी असहजता व्यक्त की। उन्होंने भारत को केवल मध्य शक्ति मानने के बजाय विभिन्न वैश्विक शक्ति-समूहों के बीच स्थित एक प्रभावशाली शक्ति–%पावर इन द मिडिल'–के रूप में प्रस्तुत किया।जयशंकर के अनुसार, भारत की विशाल जनसंख्या और लगभग चार ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था उसे पारंपरिक मध्य शक्ति की श्रेणी से आगे रखती है। यह भारत की बढ़ती सामर्थ्य और स्वतंत्र पहचान की आकांक्षा दर्शाता है। लेकिन विशिष्ट पहचान बनाना और वैश्विक नेतृत्व हासिल करना अलग बातें हैं। %पावर इन द मिडिल' का अर्थ यदि विभिन्न शक्ति-समूहों के बीच सेतु बनना और देशों को सशक्त करना है, तो यह भारत की सार्थक भूमिका हो सकती है; अन्यथा वह सामूहिक नेतृत्व का अवसर खो सकता है।मध्य शक्तियों के बीच सहयोग की राह आसान नहीं है। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद है, वहीं जापान और चीन के संबंधों में सुरक्षा संबंधी तनाव हैं। भारत के अनेक देशों के साथ हाल के वर्षों में गंभीर कूटनीतिक मतभेद भी रहे हैं। ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की विकास संबंधी प्राथमिकताएं यूरोपीय देशों से अलग हो सकती हैं। इसलिए इन देशों को किसी एक वैचारिक आधार पर एकजुट करना संभव नहीं होगा।लेकिन सहयोग के लिए हर मुद्दे पर सहमति आवश्यक नहीं है। सुरक्षा संबंधों में भिन्नता रखने वाले देश भी व्यापार और प्रौद्योगिकी में साझेदारी कर सकते हैं। जलवायु नीति पर अलग-अलग दृष्टिकोण रखने वाले देश ऊर्जा सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में साझा पहल कर सकते हैं। क्वाड, ब्रिक्स और दोनों आर्थिक-परिवहन गलियारों जैसे मंच सहयोग की नई संभावनाएं खोलते हैं।मध्य शक्तियों का उद्देश्य महाशक्तियों के बीच संतुलन बनाना, संवाद बढ़ाना और वैश्विक संस्थाओं को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाना है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1945 की सत्ता-संरचना आज की राजनीतिक और आर्थिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती। इसमें सुधार के लिए मध्य शक्तियां मिलकर प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं।भारत के सामने चुनौती अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने की नहीं, बल्कि उसे अंतरराष्ट्रीय सहयोग और विश्वास में बदलने की है। इसके लिए कुछ प्राथमिकताएं स्पष्ट हैं। ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और इंडोनेशिया के साथ मिलकर ग्लोबल साउथ की साझा आवाज को व्यापार, जलवायु न्याय, तकनीक और वैश्विक संस्थाओं में उचित प्रतिनिधित्व जैसे मुद्दों पर मजबूत करना होगा। कनाडा, जापान, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और फ्रांस के साथ महत्वपूर्ण खनिजों, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा और आपूर्ति श्रृंखलाओं में साझेदारी बढ़ानी होगी। रणनीतिक स्वायत्तता को केवल सैन्य गठबंधनों से दूरी तक सीमित न रखकर तकनीक, रक्षा उत्पादन, ऊर्जा सुरक्षा और घरेलू औद्योगिक क्षमता में आत्मनिर्भरता से जोड़ना होगा। साथ ही, छोटे और विकासशील देशों का विश्वास अर्जित करना होगा, ताकि उन्हें लगे कि भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनकी समस्याओं और आकांक्षाओं को भी पर्याप्त महत्व देता है। यही नेतृत्व की असली कसौटी है।

कील-मुंहासों से हैं परेशान, आजमाएं आयुर्वेदिक उपचार





कील-मुंहासे प्रत्येक किशोर या किशोरी को अनिवार्य रूप से होते ही हैं, ऐसा नहीं है। जिनको होते हैं, वे मानसिक रूप से दुःखी-पीड़ित होते हैं और समझ नहीं पाते कि ये कील-मुंहासे क्यों निकल रहे हैं और इनको कैसे ठीक किया जा सकता है।

कील-मुंहासों को आयुर्वेदिक भाषा में 'युवान-पीड़िका' और ऐलोपैथिक भाषा में 'एक्ने' और 'पिम्पल' कहते हैं। किशोर अवस्था की समाप्ति और युवावस्था के प्रारम्भ में चेहरे पर फुंसी के रूप में मुंहासे निकलते हैं और ये पीड़ा पहुंचाते हैं, इसलिए इन्हें 'युवान पीड़िका' कहा गया। शरीर में किसी भी कारण अतिरिक्त रूप से बढ़ी हुई उष्णता मुंहासे पैदा करने में कारण मानी जाती है, इसलिए मुंहासे होने की सम्भावना उनको ज्यादा होती है, जिनके शरीर की तासीर (प्रकृति) गर्म हो। ऐसे बच्चे अगर आहार-विहार भी उष्णता बढ़ाने वाला करते हैं तो उनके शरीर में उष्णता बढ़ती है और कील-मुंहासे निकलने लगते हैं।

कील-मुंहासों के निकलने का समय 13-14 वर्ष की आयु से लेकर 20-22 वर्ष की आयु के मध्य का होता है। इस आयु में उष्णता बढ़ाने वाला आहार-विहार नहीं करना चाहिए। ऐलोपैथिक चिकित्सा विज्ञान के अनुसार मुंहासों का कारण होता है वसा ग्रन्थियों (सिबेसियस ग्लैंड्स) से निकलने वाले स्राव का रुक जाना। यह स्राव त्वचा को स्निग्ध रखने के लिए रोम छिद्रों से निकलता रहता है। यदि यह रुक जाए तो फुंसी के रूप में त्वचा के नीचे इकट्ठा हो जाता है और कठोर हो जाने पर मुंहासा बन जाता है। इसे 'एक्ने वल्गेरिस' कहते हैं। इसमें पस पड़ जाए तो इसे कील यानी पिम्पल कहते हैं। पस निकल जाने पर ही यह ठीक होते हैं। साधारण स्थिति में ये निकलते और ठीक होते रहते हैं पर असाधारण और गम्भीर स्थिति में बहुत दिनों तक बने रहते हैं। चेहरे की त्वचा को कुरूप कर देते हैं। शरीर में एण्ड्रोजन नामक पुरुष हार्मोन की मात्रा सामान्य से ज्यादा हो जाने का भी सम्बन्ध इस व्याधि से होता है। आनुवंशिक प्रभाव भी इसमें कारण होता है।

कारण : तेज मसालेदार, तले हुए, उष्ण प्रकृति वाले पदार्थों का अधिक सेवन करने, रात को देर तक जागने, सुबह देर तक सोए रहने, देर से शौच व स्नान करने, शाम को शौच न जाने, निरंतर कब्ज बनी रहने, कामुक विचार करने, ईर्षा व क्रोध करने, स्वभाव में गर्मी व चिड़चिड़ापन रखने आदि कारणों से शरीर में ऊष्णता बढ़ती है और तैलीय वसा के स्राव में रुकावट पैदा होती है, जिससे कील-मुंहासे निकलने लगते हैं।

सावधानी : हलका, सुपाच्य और सादा आहार पथ्य है, अधिक शाक-सब्जी का सेवन करना, अधिक पानी पीना, शीतल व तरावट वाले पदार्थों का सेवन करना पथ्य है। तेज मिर्च-मसालेदार, तले हुए, मांसाहारी पदार्थों तथा मादक द्रव्यों का सेवन करना अपथ्य है।



आयुर्वेदिक उपचार

* गाय के ताजे दूध में एक चम्मच चिरौंजी पीसकर इसका लेप चेहरे पर लगाकर मसलें। सूख जाने पर पानी से धो डालें।
* सोहागा 3 ग्राम, चमेली का शुद्ध तेल 1 चम्मच। दोनों को मिलाकर रात को सोते समय चेहरे पर लगाकर मसलें। सुबह बेसन को पानी से गीला कर गाढ़ा-गाढ़ा चेहरे पर लगाकर मसलें और पानी से चेहरा धो डालें।

मसूर की दाल 2 चम्मच लेकर बारीक पीस लें। इसमें थोड़ा सा दूध और घी मिलाकर फेंट लें और पतला-पतला लेप बना लें। इस लेप को मुंहासों पर लगाएं।

* शुद्ध टंकण और शक्ति पिष्ठी 10-10 ग्राम मिलाकर एक शीशी में भर लें। थोड़ा सा यह पावडर और शहद अच्छी तरह मिलाकर कील-मुंहासों पर लगाएं।

लोध्र, वचा और धनिया, तीनों 50-50 ग्राम खूब बारीक पीसकर शीशी में भर लें। एक चम्मच चूर्ण थोड़े से दूध में मिलाकर लेप बना लें और कील-मुंहासों पर लगाएं। आधा घण्टे बाद पानी से धो डालें।

* सफेद सरसों, लोध्र, वचा और सेन्धा नमक 25-25 ग्राम बारीक चूर्ण करके मिला लें और शीशी में भर लें। एक चम्मच चूर्ण पानी में मिलाकर लेप बना लें और कील-मुंहासों पर लगाएं।

कूठ, प्रियंगु फूल, मजीठ, मसूर, वट वृक्ष की कोंपलें (नरम छोटी पत्तियां), लोध्र, लाल चन्दन, सब 10-10 ग्राम बारीक चूर्ण करके मिला लें। एक चम्मच चूर्ण पानी के साथ पीसकर लेप बना लें। इसे कील-मुंहासों पर लगाएं।

* साफ पत्थर पर पानी डालकर जायफल घिसकर लेप को कील-मुंहासों पर लगाएं। * वरुण (वरना) की छाल 25 ग्राम लेकर एक गिलास पानी में इतनी देर तक उबालें कि पानी आधा गिलास बचे। लाल चन्दन, काली मिर्च और जायफल, तीनों का पिसा हुआ बारीक चूर्ण 10-10 ग्राम लेकर मिला लें और शीशी में भर लें। कुनकुने गर्म पानी से कील-मुंहासों को धोकर, इस चूर्ण को पानी के साथ मिलाकर गाढ़ा लेप बना लें और कील-मुंहासों पर लगाएं। लेप सूख जाए तब कुनकुने गर्म पानी से धो डालें।



दुल्हन ऐसे करें गहनों का चयन

शादी का मौसम और तैयारियां जोरों पर है। शादी की तैयारी और खरीदारी उतनी आसान भी नहीं होती। कई तरह के सवाल होते हैं, कि क्या जंचेगा क्या नहीं। यह लेना चाहिए या वह। कद-काठी और रंग के अनुसार खरीदारी हो, तो यह सबसे बेहतर होता है। फिलहाल जानिए दुल्हनों के लिए गहनों का चयन करने के लिए कुछ आसान टिप्स -

1 गहने खरीदने का पहला सरल तरीका यह है, कि आप जो पहनने वाली हैं, उसके अनुसार गहनों का चयन कीजिए और कुछ हल्के-फुल्के गहने अतिरिक्त लेकर रखें जो कई जगह आपके काम आ सकते हैं।

2 दूसरी बात, आपको कुंदन, मोती, स्टोन या मेटल जिस प्रकार के गहने पहनने में रुचि है, वह पहले ही तय कर लें और उसके अनुसार ही गहनों की खरीदारी करें। इससे आप भ्रमित नहीं होंगे और आखिरकार वही लेकर आएंगे जो आपने सोचा था।

3 अगर आपकी लंबाई कम है तो इस तरह के हार और कान के बालों का चयन करें जो लंबे हों। हार के मामले में या तो लंबाई अधि?क हो या फिर हार फिलकुल गले से सटा हुआ होना चाहिए। आजकल दोनों साथ में पहनने का भी फैशन है।

4 हार अगर लंबा ले रही हैं, तो लंबाई सीने से जरा नीचे ही रखें। इसके अलावा कोई व्ही शेप नेकलेस भी आपकी लंबाई को बढ़ाएगा।

5 अगर हाथ में ब्रेसलेट पहनने वाली हैं, तो ध्यान रखें कि आप पर पतले ब्रेसलेट ज्यादा अच्छे लगेंगे, बजाए चौड़ाई वाले ब्रेसलेट के। चूड़ि?यों के मामले में भी ऐसे ही चयन करें।

6 अगर आपकी लंबाई अधि?क है, तो आप किसी भी तरह के हार का चयन कर सकती हैं। कान के बाले भी आप पर दोनों तरह के जंचेंगे। इसके अलावा हाथों में चूड़ी या ब्रेसलेट, आप जो भी पहनें हाथ भरकर पहनें।

7 अगर आपकी लंबाई बहुत ज्यादा या बहुत कम नहीं है, तो आप सामान्य लंबाई वाले हैं। आप पर किसी भी आकार और लंबाई के गहने सूट करेंगे। आप बेफिक्र होकर अपनी पसंद के गहने पहन सकती हैं।



त्वचा को बेदाग बनाएं, यह 10 उपाय

साफ-सुथरी, बेदाग और निखरी त्वचा ही असली खूबसूरती को बयां करती हैं। ऐसी खूबसूरती पाना कौन नहीं चाहता, लेकिन जब कई तरह के जतन करने के बाद त्वचा के दाग धब्बे नहीं जाते तब, सारी मेहनत पर पानी फिर जाता है। यदि आपके साथ भी यही समस्या है, तो अब फिक्र छोड़ दीजिए। क्योंकि हम बता रहे हैं त्वचा के दाग धब्बों से निजात पाने के 10 आसान उपाय - 1 उपचार से पहले एक बात हमेशा ध्यान रखें कि सावधानी और सुरक्षा रखकर आप दाग-धब्बों को उभरने से रोक सकते हैं। इसके लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें। इससे न केवल दाग-धब्बे कम तो होंगे ही, इने होने की संभावना भी कम हो जाएगी।

2 त्वचा की सफाई पर विशेष ध्यान दें। हल्की पाउडर में थोड़ा-सा कच्चा दूध मिलाकर लगाने से त्वचा के दाग धब्बे कम होते हैं। प्रतिदिन इसका इस्तेमाल करने से चेहरे पर चमक भी आती है।

3 त्वचा पर जहां भी दाग-धब्बे हों, वहां पर थोड़ा सा बेकिंग सोडा और शहद मिलाकर लगाएं। कुछ समय रखकर इसे ठंडे पानी से धो लें। इससे दाग धब्बे धीरे-धीरे कम होते जाएंगे।



4 जायफल, त्वचा के दाग धब्बे हटाने और रंग निखारने के लिए एक बेहतरीन उपाय है। इसे दूध में घिसकर त्वचा पर लगाने से दाग-धब्बे कम हो जाएंगे और त्वचा का रंग भी साफ होगा।

5 कोको बटर का उपयोग भी चेहरे को बेदाग करने के लिए किया जा सकता है। रोजाना कोको बटर से त्वचा की मसाज करने से दाग-धब्बे तो दूर होंगे ही, स्ट्रेच मार्क्स और अन्य समस्याएं भी ठीक हो जाएंगी।

6 त्वचा के लिए जैतून का तेल भी प्रभावी उपाय है। प्रतिदिन चेहरे पर जैतून के तेल से मसाज कर, 10 मिनट के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा बेदाग तो होगी ही, साथ ही मुलायम और चमकदार भी हो जाएगी।

7 कच्चे दूध का प्रयोग भी आपके चेहरे को बेदाग करने में मदद करता है। प्रतिदिन चेहरे पर कच्चे दूध से मसाज करें या फिर बेसन में कच्चा दूध मिलाकर इस फेस पैक को चेहरे पर लगाएं और कुछ समय बाद गुनगुने पानी से धो लें।

8 अगर आपकी त्वचा रूखी न हो तो आप टमाटर और नींबू के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं। आलू का रस भी चेहरे को बेदाग रखने का एक अच्छा उपाय है। इससे त्वचा के दाग धब्बे तो मिटते ही हैं, रंग भी साफ होता है।

9 दाग धब्बों को त्वचा पर ठहरने न देना भी इसका एक उपाय है। इसके लिए आपको नियमित तौर पर त्वचा की सफाई पर ध्यान देना होगा। साथ ही डेली स्क्रब का इस्तेमाल कर आप मृत त्वचा को भी त्वचा पर जमने से रोक सकते हैं।

10 नीम, पुदीना और तुलसी का रस लगाने से भी त्वचा बेदाग होती है। नियमित इस प्रयोग को करने से त्वचा के दाग-धब्बे मिट जाते हैं, और त्वचा कांतिमय नजर आती है। साथ ही आप ताजगी भी महसूस करते हैं।

ठंड में क्यों फटती है एड़ियां, जानिए सरल इलाज

जैसे-जैसे सर्दी का मौसम अपने शबाब पर पहुंचता है, पैरों की खूबसूरती को बनाए रखना मुश्किल होता जाता है। पैरों की चमड़ी का सख्त हो जाना और एड़ियों का फटना जैसी समस्याएं इस मौसम में आम तौर पर उभरकर सामने आती हैं। इससे बचने के लिए कुछ बातों का ख्याल रखना आवश्यक है। जानिए कुछ महत्वपूर्ण बातें-

क्या है एड़ियां फटने की मुख्य वजह एड़ियां फटने की मुख्य वजह शरीर में कैल्शियम और चिकनाई की कमी होती है। एड़ी व तलवों की त्वचा मोटी होती है, इसलिए शरीर के अंदर बनने वाला सीबम यानी कुदरती तेल पैर के तलवों की बाहरी सतह तक नहीं पहुंच पाता। फिर पौष्टिक तत्व व चिकनाई न मिल पानेकी वजह से ही एड़ियां खुरदरी-सी हो जाती हैं और इनमें दरार पड़ने लगती है। एड़िया ज्यादा फटने से दर्द और जलन तो होती ही है, कभी-कभी खून भी निकल आता है।

ठंड में फटी एड़ियों से छुटकारा पाने के नुस्खे

* डेढ़ चम्मच वैसलीन में एक छोटा चम्मच बोरिक पावडर डालकर अच्छी तरह मिला लें और इसे फटी एड़ियों पर अच्छी तरह से लगा लें, कुछ ही दिनों में फटी एड़ियां फिर से भरने लगेंगी। * अगर एड़ियां ज्यादा फटी हुई हों तो मैथिलेटिड स्पिरिट में रुई के फाहे को भिगोकर फटी एड़ियों पर रखें। ऐसा दिन में तीन-चार बार करें, इससे एड़ियां ठीक होने लगेंगी। * गुनगुने पानी में थोड़ा शैंपू, एक चम्मच सोड़ा और कुछ बूंदें डेटॉल की डालकर मिला लें। इस पानी में पैरों को 10 मिनट तक भिगोकर रखें। त्वचा फूलने पर मैथिलेटिड स्पिरिट लगाकर एड़ियों को प्यूमिक स्टोन या झांवे से रगड़कर साफ कर लें। इससे एड़ियों कीमृत त्वचा साफ हो जाएगी। फिर साफ तौलिए से पोंछकर गुनगुने जैतून या नारियल के तेल से मालिश करें। * पैरों को साफ व खूबसूरत बनाए रखने के लिए पैडिक्योर को अवश्य चुनें। यह पैरों के नाखून, एड़ी व तलवों की सफाई का शानदार तरीका है। * पैडीक्योर एक आसान विधि है, इसे आप खुद घर पर भी कर सकती हैं अगर आपके पैरों की दशा ज्यादा खराब है तो पैडीक्योर किसी ब्यूटी स्पेशलिस्ट से ही करवाना मुनासिब है।



हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : **MPHIN/26/A1603,** संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।



एक्टिंग स्कूल में मिला नौकरानी का रोल, तो क्यों रोने वाली थीं

दीपिका पादुकोण

अनुपम खेर ने सुनाया किस्सा



बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं. लेकिन करियर के शुरुआत में उन्हें एक्टिंग की बारीकियां सीखने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी थी. दिग्गज एक्टर अनुपम खेर ने हाल ही में एक पुराना और दिलचस्प किस्सा शेयर किया. हाल ही में गोवा मे' IFFI 2026 के एक पैनल डिस्कशन के दौरान अनुपम खेर ने दीपिका के बारे में कुछ बातें बताई. वो कहते दिखे कि- कैसे एक नॉर्मल से एक्टिंग टास्क के दौरान दीपिका इतनी परेशान हो गई थीं कि उनकी आंखों में आंसू आ गए थे.अनुपम खेर ने बताया कि फराह खान ने जब दीपिका को शाहरुख खान के अपोजिट फिल्म 'ओम शांति ओम' के लिए चुना था. तब वो एक पॉपुलर मॉडल थीं. फिल्मों में आने से पहले उन्होंने अनुपम खेर के एक्टिंग स्कूल 'एक्टर प्रिपेयर्स' में तीन महीने का कोर्स किया था.



अनुपम खेर ने क्या बताया ?

अनुपम खेर के मुताबिक, एक पढ़े-लिखे परिवार और मॉडलिंग बैकग्राउंड से आने की वजह से दीपिका हर काम बहुत सलीके और स्टाइल के साथ करती थीं. चाय का कप उठाने से लेकर चलने-फिरने तक में उनका मॉडलिंग वाला अंदाज झलकता था. जिसकी वजह से उनकी एक्टिंग कम नेचुरल लगती थी.इस आदत को बदलने के लिए एक दिन क्लास में अनुपम खेर ने दीपिका को एक नौकरानी का किरदार निभाने को कहा. जिसे सिर्फ फर्श पर झाड़ू लगाना था. लेकिन दीपिका झाड़ू भी बड़े नजाकत और चार्म के साथ लगा रही थीं. यह देखकर अनुपम खेर ने अपने घर की कामवाली बाई को बुलाया और उन्हें झाड़ू लगाकर दिखाने को कहा. उन्होंने नॉर्मल तरह से काम किया. इसके बाद अनुपम खेर ने दीपिका से साफ कह दिया कि जब तक उनकी एक्टिंग असली नहीं लगेगी, तब तक वह उनसे यही एक्सरसाइज करवाते रहेंगे.

क्यों रोने वाली थीं दीपिका ?

बार-बार एक ही काम करने से दीपिका शुरुआत में काफी फ्रस्ट्रेट हो गईं. और लगभग रोने ही वाली थीं. हालांकि, उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार प्रेक्टिस करके उस किरदार को बखूबी निभाया. जिसके बाद उन्होंने अनुपम खेर को शुक्रिया भी कहा.

क्या गुल्लू को हो गया कनिका से प्यार? लव के सामने कह दी दिल की बात



सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में इन दिनों कंटेस्टेंट्स के बीच रिश्तों के नए रंग देखने को मिल रहे हैं. वहीं, शो में कई रिश्ते भी बदल गए हैं. जो पहले दुश्मन थे वो दोस्त बनते नजर आ रहे हैं और कुछ अपनों से दूरी बना रहा हैं. सिर्फ कनिका मान और कुशाल तंवर उर्फ गुल्लू का रिश्ता ही ऐसा है जो शो की शुरुआत से लेकर अब तक एक समान रहा है. दोनों की दोस्ती साफ नजर आती है और हमेशा एक दूसरे का स्टैंड लेते भी नजर आते हैं. लेकिन अब लगता है कि इनके रिश्ते में भी नया मोड़ आने वाला है.दरअसल, शो में गुल्लू ने कनिका मान के सामने अपनी दिल की बात रखी है. उन्होंने साफ कर दिया कि अब कनिका के लिए उनकी फीलिंग्स सिर्फ दोस्ती तक सीमित नहीं हैं. वहीं, गुल्लू की बात सुनकर कनिका थोड़ी असहज नजर आईं. उन्होंने अपनी भावनाओं को जाहिर करने के साथ यह भी बताया कि आखिर क्यों वह किसी के साथ इमोशनली अटैच होने से डरती हैं.

गुल्लू ने कनिका से कही दिल की बात

दरअसल, कनिका, गुल्लू और लव गिल एक साथ बैठे हुए थे. इसी दौरान गुल्लू ने कनिका से कहा कि वह उनके लिए फीलिंग्स डेवलप करने लगे हैं. हालांकि, कनिका ने इस पर तुरंत कोई जवाब नहीं दिया. ऐसे में गुल्लू ने मजाकिया अंदाज में उनसे कहा, बोल ना गूंगी है क्या? आई लव यू थोड़ी बोल दिया मैंने. इस पर लव ने गुल्लू को छेड़ते हुए कहा कि वह अपनी बात साफ-साफ क्यों नहीं कह रहे हैं.इसके बाद गुल्लू ने कहा, आई लाइक यू बोला है मैंने यार. उन्होंने आगे कहा, पसंद है मेरे को. इस पर कनिका ने जवाब दिया कि वह भी उन्हें पसंद करती हैं, लेकिन एक दोस्त के तौर पर. उन्होंने कहा, पर ऐसे तो गुल्लू मुझे भी तू पसंद है ना. इस पर लव ने मजाक में कहा, ओह, आई लाइक यू टू.

क्या कनिका के प्यार में पड़े गुल्लू

हालांकि, गुल्लू अपनी बात समझाने की कोशिश करते रहे. उन्होंने कहा कि अब कनिका के लिए उनकी पसंद पहले से ज्यादा बढ़ने लगी है. गुल्लू ने मजाकिया अंदाज में यह भी कहा, मेरी गलती मैंने ड्रैगन को पसंद कर लिया. जब कनिका ने उनसे पूछा कि क्या वह सच में सीरियस हैं, तो गुल्लू ने जवाब दिया, मैं सीरियस हूं यार.

गुल्लू से बात करते हुए रो पड़ीं कनिका मान

बाद में गुल्लू और कनिका ने इस बारे में अकेले में भी बात की. इस दौरान गुल्लू ने उनसे पूछा कि क्या वह हमेशा इसी तरह शक में रहेंगी. धीरे-धीरे दोनों की बातचीत इमोशनल हो गई. कनिका ने बताया कि उन्हें किसी के साथ जुड़ने और फिर चोट पहुंचने का डर लगता है. अपनी बात कहते हुए वह रो पड़ीं.

मनीष गोयल से देवोलीना तक, वो 5 कंटेस्टेंट्स, जिन्हें सेहत बिगड़ने पर बीच में ही छोड़ना पड़ा 'बिग बॉस' का घर



टीवी और ओटीटी के सबसे चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में इस समय जबरदस्त ड्रामा देखने को मिल रहा है. हाल ही में शो के वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट मनीष गोयल को मेडिकल कारणों की वजह से बीच में ही घर से बाहर होना पड़ा. उनके इस अचानक एग्जिट ने उन पुराने सीजन्स की याद ताजा कर दी है, जब सेहत से जुड़ी आपात स्थितियों ने कई दमदार खिलाड़ियों का सफर अधूरा रह गया था. 'बिग बॉस' के घर में कड़े टास्क और मानसिक दबाव के बीच कई बार कंटेस्टेंट्स को अपनी रिकवरी के लिए शो से कदम पीछे खींचना पड़ा है. पीठ की गंभीर चोट से लेकर किडनी स्टोन के असहनीय दर्द तक, आइए नजर डालते हैं ऐसे ही 5 कंटेस्टेंट्स पर, जिन्हें मेडिकल कारणों से 'बिग बॉस' का घर छोड़ना पड़ा.

1. मनीष गोयल बिग बॉस 20

'बिग बॉस 20' में मनीष गोयल का सफर पैर में लगी चोट के कारण थम गया. चोट की वजह से उनके लिए घर के अंदर रहकर खेल जारी रखना बेहद मुश्किल हो गया था. 'वीकेंड का वार' के दौरान मनीष ने होस्ट सलमान खान को बताया कि डॉक्टरों ने उन्हें चार हफ्ते के पूर्ण आराम की सलाह दी है. अपने फैसले के पीछे की वजह बताते हुए मनीष ने कहा, यहां से बाहर निकल कर कुछ अच्छा ही लिखा होगा मेरे लिए. बस सबसे जरूरी ये है कि ये पहले ठीक हो जाए. चार हफ्ते का रेस्ट साफ बोला है, तो मैंने बिग बॉस से गुजारिश की. इस दौरान सलमान खान ने यह भी खुलासा किया कि उस हफ्ते मनीष को सबसे कम वोट नहीं मिले थे और अगर वो खुद बाहर जाने का विकल्प न चुनते, तो किसी और कंटेस्टेंट को एलिमिनेट होना पड़ता. सलमान ने मनीष के इस कदम की सराहना करते हुए इसे बड़ा ही सपोर्टिंग जेस्चर बताया.

2. देवोलीना भट्टाचार्जी बिग बॉस 13

'बिग बॉस 13' में देवोलीना भट्टाचार्जी को पीठ की गंभीर चोट (बैक इंजरी) के कारण शो छोड़ना पड़ा था, क्योंकि वो घर के टास्क और गतिविधियों में हिस्सा लेने की स्थिति में नहीं थीं. शुरुआत में उम्मीद जताई जा रही थी कि ठीक होने के बाद वो घर में वापसी करेंगी, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें दोबारा शो में जाने से मना कर दिया. अपने फैंस को संबोधित करते हुए देवोलीना ने बताया कि वो भी शो छोड़ने से उतनी ही दुखी हैं, लेकिन उनके लिए सेहत को प्राथमिकता देना जरूरी है. उन्होंने कहा, मैं भी उतनी ही उदास हूं जितने आप सब हैं. आप सभी ने मुझे इतना प्यार दिया, चिंता जताई और मेरे जल्द ठीक होने की दुआ की. हालांकि, डॉक्टरों ने कहा है कि मुझे पूरी तरह ठीक होने में अभी और समय लगेगा.उन्होंने आगे स्पष्ट किया था कि अगर वे लौट भी आएं, तब भी टास्क नहीं कर पाएंगी. अपनी चोट की गंभीरता बताते हुए देवोलीना ने कहा था, एक झटका या गलती से भी गिरने का मतलब हो सकता है कि मुझे पूरी जिंदगी इसका दर्द झेलना पड़े.

शाहरुख खान और करीना कपूर साथ में मचाएंगे धमाल, कब रिलीज होगा 'किंग' का नया गाना 'डैडी कूल'?

शाहरुख खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'किंग' को लेकर फैन्स के बीच जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है. सिद्धार्थ आनंद के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म के हर अपडेट पर लोगों की नजरें टिकी हैं. और अब इससे जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है. चर्चा है कि शाहरुख खान 25 नवंबर



2026 को फिल्म का दूसरा गाना 'डैडी कूल' लॉन्च करने जा रहे हैं. जिसमें उनके साथ करीना कपूर खान नजर आएंगी.'डैडी कूल' को एक जोरदार और एनर्जेटिक डांस नंबर बताया जा रहा है. जिसे सचिन-जिगर की जोड़ी ने कंपोज किया है. फिल्म के पहले गाने 'तू मिल जाए' के बाद यह गाना 'किंग' के म्यूजिक एल्बम की अगली बड़ी झलक होगी. इस गाने की सबसे खास बात यह है कि इसके जरिए शाहरुख खान और करीना कपूर खान करीब 15 साल बाद बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे. इससे पहले दोनों ने 'कभी खुशी कभी गम', 'अशोका' और 'रा.वन' जैसी फिल्मों में साथ काम किया था. जहां उनकी केमिस्ट्री को खूब पसंद किया गया था.

कब आएगा 'किंग' का नया गाना ?

करीना कपूर इस गाने में एक स्पेशल अपीयरेंस में दिखाई देंगी. और माना जा रहा है कि यह सीक्वेंस फिल्म के बड़े हाइलाइट्स में से एक होगा. शाहरुख के बर्थडे के दिन करीना कपूर खान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया था. जिसमें उन्होंने कंफर्म किया था कि वो एक्टर के साथ एक डांस नंबर करने वाली हैं. हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में यह भी चर्चा है कि मेकर्स आखिरी वक्त में इस गाने के बजाय फिल्म का टाइटल ट्रैक लाने पर भी चर्चा कर रहे हैं. लेकिन फिलहाल 'डैडी कूल' के लॉन्च को लेकर ही सबसे ज्यादा बज बना हुआ है.'किंग' में शाहरुख खान और करीना के अलावा सुहाना खान, दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अनिल कपूर और रानी मुखर्जी जैसे सितारे भी नजर आएंगे. क्रिसमस के मौके पर यह फिल्म 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. और 25 नवंबर को आने वाले इस नए गाने के साथ फिल्म का प्रमोशन और तेज होने की उम्मीद है.



झूलन गोस्वामी बर्थडेः मां को पसंद नहीं था क्रिकेट

बेटी बन गई वनडे की सबसे सफल गेंदबाज

नई दिल्ली । झूलन गोस्वामी भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सबसे प्रभावशाली और लोकप्रिय तेज गेंदबाज रही हैं। भारतीय टीम के एक सामान्य टीम से मजबूत टीम बनने के सफर में झूलन का योगदान असाधारण रहा है। उनका नाम विश्व की श्रेष्ठ महिला तेज गेंदबाजों में शुमार किया जाता है। झूलन गोस्वामी का जन्म 25 नवंबर 1982 को पश्चिम बंगाल के चकदाह में हुआ था। उन्हें बचपन से ही क्रिकेट में रुचि थी। हालांकि, उस दौर में महिलाओं के लिए क्रिकेट खेलना असामान्य था। झूलन की मां को भी उनका लड़कों के साथ क्रिकेट खेलना पसंद नहीं था, लेकिन बेटी ने इसी खेल में देश का प्रतिनिधित्व करने का सपना देख लिया था। गोस्वामी ने एमआरएफ एकेडमी से ट्रेनिंग ली। दाएं हाथ की इस तेज गेंदबाज ने 15 साल की उम्र में चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी तरफ खींचा। उन्हें 2002 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू का मौका मिला। इंग्लैंड के खिलाफ अपने डेब्यू वनडे में ही झूलन ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 7 ओवर में 15 रन देकर 2 विकेट लिए और भारत को 8



रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। शानदार डेब्यू के बाद झूलन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और 20 साल के अपने लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। झूलन गोस्वामी महिला वनडे में विश्व में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। उन्होंने 204 वनडे में 255 विकेट हासिल किए थे। वह वनडे क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाली एकमात्र महिला क्रिकेटर हैं। 2008 से 2011 तक भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान रही झूलन ने भारत के लिए तीनों फॉर्मेट खेले हैं। उनके नाम 12 टेस्ट में 44, 204 वनडे में 255 और 68 टी20 में 56 विकेट हैं। झूलन निचले क्रम की उपयोगी बल्लेबाज भी रही हैं। 12 टेस्ट में 2 अर्धशतक लगाते हुए 291 रन और वनडे में 1 अर्धशतक लगाते हुए 121 पारियों में 1,228 रन उनके नाम हैं। टी20 में भी उनके नाम 405 रन हैं। झूलन गोस्वामी को 2010 में 'अर्जुन पुरस्कार' और 2012 में 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया था। 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाली झूलन कोचिंग के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वह विमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस (एमआई) की गेंदबाजी कोच और मेंटर हैं। उनकी कोचिंग में मुंबई इंडियंस दो बार (2023 और 2025) चैंपियन रही है।



आईएलटी20

बाबर आजम की तूफानी पारी, डेजर्ट वाइपर्स को 6 विकेट से दिलाई जीत

शारजाह । इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) के चौथे मैच में बाबर आजम की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर उनकी टीम डेजर्ट वाइपर्स ने शारजाह वॉरियर्स को 15 गेंद पहले 6 विकेट से हरा दिया। शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार की रात हुए मुकाबले में डेजर्ट वाइपर्स के कप्तान



शादाब खान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी शारजाह वॉरियर्स ने 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 166 रन बनाए। शारजाह वॉरियर्स की तरफ से पॉल वॉल्टर ने 43 गेंदों पर 11 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 75 रन की पारी खेली। इसके अलावा, जेम्स विंस ने 23, टिम सिफर्ट ने 17, जॉर्ज लिंडे ने 14 और क्रेग ओवरटन ने 12 रन बनाए। डेजर्ट वाइपर्स की तरफ से कप्तान शादाब खान ने शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट लिए। के.तनवीर ने 4 ओवर में 31 रन देकर 3 विकेट लिए। टॉम कुर्रन ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए। नसीम शाह को 1 विकेट मिला। 167 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी डेजर्ट वाइपर्स के लिए फखर जमान और बाबर आजम पारी की शुरुआत करने उतरे। फखर 10 गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन बाबर आजम पूरे रंग में दिखे। बाबर ने 51 गेंदों पर 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 86 रन की पारी खेली। इस पारी की बदौलत डेजर्ट ने 17.3 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीता। बाबर के अलावा जोए क्लार्क ने 27 गेंदों पर 35 रन बनाए।

प्रियांश आर्य ने रचा इतिहास

181 रन 67 गेंदों पर | भारत की तरफ से टी20 में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बने



इंदौर । दिल्ली के स्टार बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने इतिहास रच दिया है। आर्य ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (स्मैट) में मंगलवार को डेली कॉलेज ग्राउंड में तमिलनाडु के खिलाफ दिल्ली के ग्रुप-बी के छठे मैच में 68 गेंदों में 181 रन की पारी खेली। टी20 फॉर्मेट में किसी भारतीय बल्लेबाज की यह सबसे बड़ी पारी है। प्रियांश आर्य ने अपना शतक मात्र 36 गेंदों पर पूरा किया। बाएं हाथ के इस विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ने अपनी पारी में 7 चौके और 19 छक्के लगाए। दिल्ली की कप्तानी कर रहे प्रियांश ने अपनी विस्फोटक पारी से केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब तक राहुल के नाम किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सबसे बड़ी टी20 पारी का रिकॉर्ड था। राहुल ने आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए 67 गेंदों पर 152 रन की पारी खेली थी। राहुल की पारी में 16 चौके और 9 छक्के शामिल थे।

प्रियांश आर्य ने 19 छक्कों के साथ किसी एक टी20 मैच में सर्वाधिक छक्के लगाने के मामले में फिन एलन की बराबरी कर ली है। न्यूजीलैंड के दाएं हाथ के इस विस्फोटक ओपनर ने 2025 में मेजर लीग क्रिकेट में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की तरफ से खेलते हुए वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 51 गेंदों पर 151 रन की पारी खेली थी। इस पारी में एलन ने 19 छक्के लगाए थे। अब एक टी20 में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से एलन के साथ प्रियांश के नाम भी दर्ज हो गया है। आर्य का 181 रन दुनिया के किसी भी खिलाड़ी का दूसरा सबसे बड़ा टी20 स्कोर भी है। यह अब तक के सबसे बड़े स्कोर 188* से सिर्फ सात रन कम है। दक्षिण अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रीटोरियस ने पिछले महीने सीएसए प्रो20 कप में टाइटन्स के लिए नाइट्स के खिलाफ नाबाद 188 रन की पारी खेली थी।

प्रियांश की पारी की बदौलत दिल्ली ने तमिलनाडु के खिलाफ 5 विकेट पर 275 रन बनाए।



भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से ब्लेयर टिकनर बाहर

न्यूजीलैंड टीम में मैट फिशर को मिली जगह

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण शुक्रवार से भारत के खिलाफ शुरू हो रहे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम में मैट फिशर को शामिल किया गया है। ब्लेयर टिकनर भारत के खिलाफ ड्रॉ रहे पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा थे, लेकिन प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना सके थे। वेलिंगटन में ट्रेनिंग के दौरान उन्हें चोट लगी थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट की तरफ से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि टिकनर के और परीक्षण होने वाले हैं, ताकि यह पता चल सके कि वह कितने समय तक बाहर रह सकते हैं। 33 साल के टिकनर ने अब तक छह टेस्ट मैच खेले हैं और 22 विकेट लिए हैं। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड दौरे पर खेला था।

टिकनर की जगह टीम में शामिल किए गए 27 साल के फिशर ने अगस्त 2025 में टेस्ट में डेब्यू किया था, लेकिन उसके बाद से रेड-बॉल क्रिकेट नहीं खेला है। फिशर भारतीय टीम के इस मौजूदा दौरे पर पांच में से चार वनडे और पांच में से दो टी20 मैचों का हिस्सा रहे हैं। वेलिंगटन में भारत के साथ समाप्त हुए टेस्ट में गेंदबाजों पर ज्यादा वर्कलोड था। पहले और दूसरे टेस्ट के बीच महज तीन दिन का अंतर



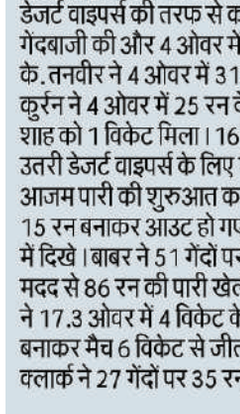
है। ऐसे में इन गेंदबाजों के कवर के तौर पर फिशर को टीम में शामिल किया गया है।

न्यूजीलैंड के लिए आने वाली गर्मियां बड़ी हैं। वे 9 दिसंबर से शुरू होने वाले चार टेस्ट मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएंगे और श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे, तीन टी20 और दो टेस्ट के लिए घर लौटेंगे। न्यूजीलैंड अगले साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में है, लेकिन बेसिन रिजर्व में ड्रॉ के बाद उनके चांस कम हो गए हैं।

आईपीएल

पंजाब ने पारस म्हाम्ब्रे को गेंदबाजी कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली । *पंजाब किंग्स ने पारस म्हाम्ब्रे को अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। म्हाम्ब्रे फ्रेंचाइजी में जेम्स होप्स की जगह लेंगे। होप्स ने पिछले महीने अपना पद छोड़ दिया था। वहीं, फ्रेंचाइजी फील्डिंग कोच के रूप में राजीव कुमार को नियुक्त करने वाली है। वह पूर्व फील्डिंग कोच ब्रैड हैडिन की जगह लेंगे। राजीव चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कोचिंग टीम का हिस्सा रहे हैं। पारस म्हाम्ब्रे का गेंदबाजी कोच के रूप में लंबा अनुभव है। वह*



भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच के रूप में काम कर चुके हैं। म्हाम्ब्रे 2021 से 2024 तक राहुल द्रविड़ वाली कोचिंग टीम में गेंदबाजी कोच थे। इसके अलावा, वह इंडिया ए और इंडिया अंडर-19 के गेंदबाजी कोच के रूप में काम कर चुके हैं। घरेलू क्रिकेट में वह बंगाल, महाराष्ट्र, बड़ौदा और विदर्भ के कोच रहे हैं। आईपीएल में पारस म्हाम्ब्रे लंबे समय तक मुंबई इंडियंस (एमआई) का हिस्सा रहे हैं। वह आईपीएल के पहले सीजन (2008) में एमआई के साथ सपोर्ट स्टाफ के तौर पर जुड़े थे। 2010 में फ्रेंचाइजी ने उन्हें सहायक कोच बनाया। 2017 में वह टीम से अलग हो गए। इसके बाद फिर से 2024 से 2026 तक एमआई के गेंदबाजी कोच रहे थे। पारस म्हाम्ब्रे के गेंदबाजी कोच के तौर पर हासिल लंबे अनुभव का लाभ पंजाब किंग्स को मिल सकता है, जो अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश में है। म्हाम्ब्रे को हेड कोच रिकी पोंटिंग और कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर पंजाब की गेंदबाजी पर मजबूती से काम करना होगा।

पंजाब किंग्स एक ऐसी फ्रेंचाइजी है, जो पहले सीजन से ही लीग का हिस्सा है, लेकिन एक भी खिताब जीतने में सफल नहीं रही है।

शुभमन गिल के फैसले पर माइकल वॉन ने ली चुटकी

कहा- एक घंटे में 5 विकेट पहले कभी नहीं गिरे

नई दिल्ली । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में ड्रॉ पर भारत के फैसले पर सवाल उठाया है। वॉन ने कप्तान शुभमन गिल पर निशाना साधते हुए सवाल उठाया है कि उन्होंने समय रहते मैच ड्रॉ करने का फैसला क्यों लिया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में खेला गया पहला टेस्ट सोमवार को ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारतीय टीम ने 15 ओवर शेष रहते मैच ड्रॉ करने का फैसला कर लिया था, जबकि न्यूजीलैंड के 5 विकेट शेष थे। मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान भारतीय कप्तान गिल ने कहा कि उनकी टीम मैनेजमेंट ने दूसरे टेस्ट से पहले पेस अटैक को शारीरिक रूप से फ्रेश रखने को प्राथमिकता दी थी। गिल ने बचे हुए ओवर कराने की स्थिति में भी मैच जीतने पर शंका जताई थी।



गिल ने बताया कि तीनों तेज गेंदबाजों ने मैच के दौरान पहले ही काफी मेहनत की थी, हर एक ने करीब 50 ओवर फेंके थे। टीम को अगले दिन ट्रैवल भी करना था, इसलिए उन्हें लगा कि बॉलिंग यूनिट पर और दबाव न डालना समझदारी वाला विकल्प है। भारतीय कप्तान ने कहा, 'अगर विकेट में थोड़ी और जान होती, तो शायद, लेकिन तेज गेंदबाज थके हुए थे। उन्होंने मैच में लगभग 50 ओवर फेंके हैं, सभी ने। साथ ही, यह ध्यान में रखते हुए कि जल्दी बदलाव होता है, अगला मैच सिर्फ तीन दिन में है और कल ट्रैवल है, हम अपने सभी गेंदबाजों को फ्रेश रखना चाहते थे। और मुझे सच में नहीं लगा कि 5-10 अतिरिक्त ओवर डालने से इतनी मदद मिलती।'

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन गिल के तर्क से सहमत नहीं थे। उनका मानना था कि खेल के बचे हुए एक घंटे में जरूरी पांच विकेट गिर सकते थे।

वॉन ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, 'यह अविश्वसनीय है, इसलिए पिछले एक घंटे में 5 विकेट पहले कभी नहीं गिरे।'

उनके मजाकिया जवाब ने गिल के इस अनुमान को सीधे तौर पर चुनौती दी कि कुछ और ओवरों से नतीजे पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। वॉन की इस बात ने भारत के फैसले के रणनीतिक पहलू को भी सामने ला दिया। जब मैच ड्रॉ हुआ, तब मेहमान टीम गणितीय रूप से जीत की दौड़ में थी।





प्रो रेसलिंग लीग के छठे सीजन का आयोजन दिल्ली में 3 से 19 जनवरी तक होगा

नीलामी 30 नवंबर को होगी

नई दिल्ली । प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) का छठा एडिशन 3 से 19 जनवरी, 2027 तक नई दिल्ली के केडी जाधव रेसलिंग एरिना में आयोजित होगा। इसमें छह फ्रेंचाइजी खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। आने वाले सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 30 नवंबर को मुंबई के ग्रैंड हयात में होगी। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) कैलेंडर में बदलाव के बाद शनिवार को बदली हुई तारीखों की घोषणा की गई। रीशेड्यूलिंग का मकसद यह पक्का करना है कि लीग का इंटरनेशनल रेसलिंग शेड्यूल से टकराव न हो। इससे लीग में भारतीय और विदेशी रेसलर हिस्सा ले सकेंगे। सीजन 6 में 86 टॉप रेसलर होंगे, जिनमें 34 इंटरनेशनल मेडलिस्ट शामिल हैं। लीग में ओलंपिक, वर्ल्ड चैंपियनशिप, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्टों के एक बड़े समूह के हिस्सा लेने की उम्मीद है।

इसमें हिस्सा लेने वाली छह फ्रेंचाइजी मुंबई दंगल, हरियाणा थंडर्स, दिल्ली दंगल वॉरियर्स, महाराष्ट्र केसरी, पंजाब रॉयल्स और यूपी डॉमिनेटर्स हैं।

आने वाले ऑक्शन में काफी ध्यान जाने की उम्मीद है, क्योंकि फ्रेंचाइजी इंटरनेशनल और इंडियन रेसलिंग के कुछ सबसे बड़े नामों को हासिल करके अपनी टीम को मजबूत करना चाहती हैं।

पिछले ऑक्शन में जापान के ओलंपिक चैंपियन यूई सुसाकी 60 लाख रुपये की विनिंग बिड हासिल करके पीडब्ल्यूएल के इतिहास में सबसे महंगे रेसलर बने थे। भारत के अमन सेहरावत, अंतिम पंघाल और सुजीत कलकल भी सबसे बड़ी एक्विजिशन में शामिल थे, जिनमें से हर एक के लिए 50 लाख रुपये से ज्यादा की बिड लगी थी।

पीडब्ल्यूएल के चेयरमैन दयान फारूकी ने कहा कि बदला हुआ शेड्यूल लीग को इंटरनेशनल रेसलिंग कैलेंडर के साथ अलाइन रहने में मदद करेगा और साथ ही टॉप एथलीट्स का पार्टिसिपेशन भी पक्का करेगा।

फारूकी ने कहा, 'यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग कैलेंडर में बदलाव के बाद, हमने सीजन 6 को 3 से 19 जनवरी, 2027 तक रीशेड्यूल किया है। 30 नवंबर को होने वाली प्लेयर ऑक्शन में दुनिया भर के कुछ बेहतरीन रेसलिंग टैलेंट एक साथ आएंगे, जिसमें बड़े इंटरनेशनल कॉम्पिटिटर और भारत के टॉप स्टार शामिल हैं।'

बिहार : उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम में बगावत, 3 विधायकों ने मांगा अलग गुट

पटना, एजेंसी। बिहार में उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) को एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी के चार में से तीन विधायकों ने नेतृत्व के खिलाफ बगावत पर उतर आए है। सूत्रों के अनुसार, इन बागी विधायकों ने बिहार विधानसभा अध्यक्ष से संपर्क कर खुद को एक अलग गुट के रूप में मान्यता देने की मांग की है, जिससे पार्टी में आंतरिक संकट गहरा गया है।इस असंतोष की जड़ें तब से गहरी हुई हैं जब उपेंद्र कुशवाहा ने अपने बेटे दीपक प्रकाश को बिहार मंत्रिमंडल में शामिल कराया था। तब दीपक प्रकाश विधानमंडल के किसी भी सदन के सदस्य नहीं थे, जिस पर इन विधायकों ने सार्वजनिक रूप से नाराजगी जाहिर की थी। बागी विधायकों का आरोप है कि पार्टी का कामकाज अब काफी हद तक पारिवारिक हितों से प्रेरित है। उनका कहना है कि महत्वपूर्ण निर्णयों में उनसे कोई सलाह नहीं ली जाती और चुने हुए प्रतिनिधियों के बजाय परिवार के सदस्यों, खासकर दीपक प्रकाश को प्राथमिकता मिलती है। इन विधायकों ने पहले भी पार्टी के संगठनात्मक और राजनीतिक फैसलों पर असहमति व्यक्त की थी, जिसके कारण उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच दूरियां बढ़ गईं। तीन विधायकों के अलग होने के बाद, अब उपेंद्र कुशवाहा के गुट में केवल उनकी पत्नी स्नेहलता कुशवाहा ही बची हैं।

देश में बढ़ी ठंड, कश्मीर और पहाड़ों में जमाव बिंदु से नीचे पहुंचा पारा

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। राजस्थान के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जबकि मध्य प्रदेश का भोपाल 12.4 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा शहर रहा। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों में देश के कई हिस्सों में पारा 2 से 4 डिग्री तक और गिरने का अनुमान जताया है। उत्तर प्रदेश के 15 शहरों में मंगलवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, जहां लखीमपुर में विजिबिलिटी 25 मीटर से कम रही। छत्तीसगढ़ में भी कोहरे के बीच अगले तीन दिनों तक ठंड बढ़ने के आसार हैं। पहाड़ी राज्यों में ठंड और भी ज्यादा है। कश्मीर के छह शहरों में पारा शून्य से नीचे रहा, शोपियां में -3.9 डिग्री और श्रीनगर में -0.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हिमाचल प्रदेश के चंबा में मणिमहेश झील 4 से 5 इंच मोटी बर्फ की परत के साथ जम गई है। उत्तराखंड के चारों धामों, बद्रीनाथ और गंगोत्री में तापमान क्रमश : -11 और -14 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। 25 और 26 नवंबर को उत्तराखंड, असम सहित पूर्वोत्तर के राज्यों में घने कोहरे का जबकि आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरलम में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

विश्व हिंदू परिषद का राष्ट्रव्यापी हित चिंतक अभियान शुरू, 5 करोड़ सदस्य जोड़ने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने पूरे भारत में अपने महत्वाकांक्षी हित चिंतक अभियान का शुभारंभ किया है। 6 दिसंबर तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत वीएचपी का लक्ष्य देश भर में 5 करोड़ से अधिक नए हित चिंतक (सदस्य) बनाना है। यह अभियान विभिन्न समुदायों तक पहुँच बनाकर संगठन की विचारधारा और कार्यों का प्रचार-प्रसार करेगा। अभियान के तहत, वीएचपी ने सिर्फ महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र से 11 लाख हित चिंतक बनाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें नागपुर जिले और शहर से 1 लाख सदस्य शामिल हैं। विदर्भ प्रांत के 12,500 गांवों तक पहुंचने की योजना है, जहाँ हर जिले और बस्ती में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को सदस्यता दे रहे हैं। वीएचपी के विदर्भ महामंत्री प्रशांत तितरे ने बताया कि प्रतिदिन सुबह और शाम 4-4 घंटे कार्यकर्ता इस कार्य में लगे हैं।
इस अभियान से 15 वर्ष से अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति महिला, पुरुष या युवा जुड़ सकता है, बशर्ते वह विश्व हिंदू परिषद और सनातन धर्म को मानता हो। वीएचपी के विदर्भ महामंत्री तितरे ने स्पष्ट किया कि किसी भी राजनीतिक दल, पथ या विचारधारा से संबंध रखने वाला व्यक्ति, यदि वह सनातनी है, तब इस अभियान का हिस्सा बन सकता है। वीएचपी दुर्गम क्षेत्रों जैसे घाटी, मणिपुर और पूर्वी भारत के दूर-दराज के इलाकों तक भी पहुँचने के लिए विशेष रणनीति बना रहा है।

रेवंत रेड्डी का आरोप: केसीआर ने कृष्णा जल बंटवारे पर किए तेलंगाना के मृत्यु वारंट पर दस्तखत

हैदराबाद , एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल में राव ने कृष्णा नदी के जल में से राज्य के लिए केवल 299 टीएमसी पानी के हिस्से पर सहमति जताकर तेलंगाना के जल अधिकारों के ''मृत्यु वारंट'' पर दस्तखत किए।
सीएम रेंवत का यह बयान बीआरएस के उन आरोपों के पलटवार के रूप में आया है, जिसमें बीआरएस ने दावा किया था कि कांग्रेस की रेंवत सरकार ने कृष्णा नदी के पानी में तेलंगाना के अधिकारों को पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के पास गिरवी रख दिया है। सीएम रेड्डी ने बीआरएस पर झूठ फैलाकर सरकार को बदनाम करने का सुनियोजित प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि केसीआर ने तेलंगाना को कृष्णा नदी के जल में से केवल 299 टीएमसी पानी देने और आंध्र प्रदेश को 512 टीएमसी पानी देने पर सहमति जाहिर की थी। मुख्यमंत्री रेंवत ने तुम्मिडीहेट्टी परियोजना से पीछे हटने के फैसले को केसीआर के उन विनाशकारी कदमों में से बताया, जिन्होंने तेलंगाना के लिए संकट खड़ा किया। सीएम रेड्डी ने कहा, इन दो फैसलों के साथ केसीआर ने तेलंगाना के जल अधिकारों के मृत्यु वारंट पर दस्तखत कर दिया। उन्होंने आगे जोड़ा कि पिछले



चुनाव (2023) में उन्हें मिली सजा पर्याप्त नहीं है, और उन्हें तभी पूरी सजा मिलेगी, जब उन्हें राजनीतिक रूप से हमेशा के लिए दफना दिया जाएगा।
बीआरएस के आरोप पर कि कांग्रेस की सरकार आंध्र प्रदेश की पलनाडु वाटर ग्रिड योजना को रोकने में नाकाम रही, मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इस योजना के लिए सरकारी आदेश (जीओ) 2022 में जारी किया गया था। उस समय के चंद्रशेखर राव और वाई एस जगन मोहन रेड्डी क्रमशः तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इसका फैसला कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में नहीं हुआ। उन्होंने बीआरएस को तेलंगाना के हितों की अनदेखी करने का जिम्मेदार ठहराया।

काशी में देव दीपावली की भव्य छटा, 84 घाटों पर जले 11 लाख दीये

- करीब 15 लाख पर्यटकों ने देखा गंगा आरती, लेजर-ड्रोन शो और आतिशबाजी का नजारा

वाराणसी, एजेंसी। काशी में देव दीपावली के अवसर पर सोमवार शाम गंगा के 84 घाट करीब 11 लाख दीयों की रोशनी से जगमगा उठे। भव्य सजावट के साथ दीपों की जगमग ने श्रद्धालुओं समेत देश-विदेश के पर्यटकों का मन मोह लिया। देव दीपावली उत्सव को देखने करीब 40 देशों के मेहमान काशी पहुंचे। देव दीपावली के अवसर पर नमो घाट पर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव का शुभारंभ किया। इसके साथ ही काशी के विभिन्न घाटों पर दीप प्रज्वलित किए गए। घाटों की भव्य सजावट और दीपों की रोशनी देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु व पर्यटक पहुंचे। देव दीपावली का उत्सव देखने के लिए करीब 40 देशों से मेहमान काशी पहुंचे थे। स्थानीय प्रशासन के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है, कि करीब 15 लाख पर्यटकों के शहर में पहुंचने का अनुमान है। घाटों पर गंगा आरती के साथ लेजर शो, ड्रोन शो और आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र रहे। गंगा के दोनों किनारों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक मौजूद रहे। काशी विश्वनाथ मंदिर से लेकर नमो घाट और हरिश्चंद्र घाट तक विशेष सजावट की गई। मंदिरों और घाटों को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया। मणिकर्णिका और अन्य प्रमुख घाटों की सजावट भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। विदेशी पर्यटकों ने भी काशी की देव दीपावली और घाटों पर दीपों की भव्य सजावट की सराहना की। गंगा के उस पार आतिशबाजी का विशेष आयोजन किया गया। आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी बिखरती रही और गंगा किनारे मौजूद लोगों ने आतिशबाजी का आनंद लिया। नदी के दोनों किनारों से दीपों से जगमगाते घाटों का दृश्य बेहद आकर्षक नजर आया। लाखों दीयों की रोशनी, गंगा आरती और रंगीन आतिशबाजी के बीच काशी का पूरा घाट क्षेत्र उत्सव के रंग में डूबा रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक देर रात तक घाटों पर मौजूद रहे और देव दीपावली के इस भव्य आयोजन को देखा।



भाजपा-शिअद गठबंधन पर केजरीवाल का तंज, हमारा तालमेल जनता से

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सत्ता की लालच में भाजपा किसी भी दल से हाथ मिला सकती है, जबकि आप का सच्चा गठबंधन पंजाब की महिलाओं, अनुसूचित जाति समुदाय, किसानों और व्यापारियों के साथ है। आप नेता केजरीवाल ने गठबंधन को दोनों दलों के राजनीतिक हितों का परिणाम बताया, जो बार-बार साथ आते और फिर अलग होते रहे हैं। उन्होंने कहा, कभी ये साथ आते हैं, कभी अलग हो जाते हैं और फिर साथ आ जाते हैं। हमारा गठबंधन पंजाब की जनता के साथ है। आप नेता ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य के विकास के लिए काम कर रही है और जनता ने पिछले पांच वर्षों में भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप सरकार के कामकाज को देखा है। केजरीवाल ने दावा किया कि आप सरकार पंजाब को दशकों से प्रभावित कर रही समस्याओं का समाधान करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब की जनता तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हुए किसान आंदोलन को नहीं भूली है, जिसमें 700 से अधिक किसानों की जान गई थी। उन्होंने शिअद सरकार के कार्यकाल में हुई बेअदबी की घटनाओं और राज्य में फैले नशे के दौर का भी उल्लेख किया। दिल्ली में आप विधायक जरनैल सिंह ने गठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि दो शून्य को जोड़ने पर भी शून्य ही होता है, इसलिए इसका पंजाब में कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आप देश की एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो अपने काम के आधार पर वोट मांगती है। केजरीवाल ने सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव की जयंती पर भी लोगों को शुभकामनाएं दीं और उनके जीवन व शिक्षाओं को कठिन समय में मार्गदर्शक बताया।



शरद पवार के राजनीतिक भविष्य और एनसीपी विलय पर सुप्रिया का बयान, ये सब अफवाह

मुंबई , एजेंसी । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख और राज्यसभा सांसद शरद पवार के स्वास्थ्य संबंधी हालिया घटनाक्रम ने महाराष्ट्र की राजनीति में उनके संन्यास और पार्टी के भविष्य को लेकर अटकलों का बाजार गर्म किया था। पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे शरद पवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद, इन सभी कयासों पर उनकी बेटी और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने खुलकर जवाब देकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। पवार के सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने की रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर सुप्रिया सुले ने इन्हें भ्रामक बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि शरद पवार का राज्यसभा कार्यकाल अभी पांच साल शेष है, और इसतरह के अनुभवी नेता के बारे में इस तरह की



बातें बेहद चौंकाने वाली और गलत हैं। शरद पवार की बेटी सुले ने जोर देकर कहा कि राजनीति में कोई व्यक्ति कब तक सक्रिय रहेगा और कब रिटायर होगा, यह तय करने का अधिकार केवल जनता के पास है, न कि किसी रिपोर्ट या कयासों के आधार पर।
इसके साथ ही, महाराष्ट्र की राजनीति में एनसीपी के दोनों गुटों के फिर से एकजुट होने की अटकलों भी सुले ने विराम लगाया। ये चर्चाएँ तब तेज हुईं जब अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता प्रफुल पटेल ने अस्पताल में शरद पवार का हालचाल जानने पहुंचे थे। इसके अलावा, सुनील तटकरे ने दावा किया था कि अजित पवार ने दोनों गुटों के विलय को लेकर बातचीत की पहल की थी। इन दावों पर प्रतिक्रिया देकर सुप्रिया सुले ने स्वीकार किया कि विलय को लेकर बातचीत ज़रूर हुई थी, लेकिन वह केवल तब तक थी जब उनके भाई अजित पवार उनके साथ थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब एनसीपी के दोनों गुटों के फिर से एक होने की कोई गुंजाइश नहीं है। सुले के अनुसार, पार्टी के विभाजन के बाद, उनकी तरफ से वे सारी बातचीत हमेशा के लिए खत्म हो गईं हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी के नेता अब इस विषय पर कोई टिप्पणी भी नहीं करते हैं, क्योंकि उनके लिए यह अध्याय पूरी तरह बंद हो चुका है।

जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर फिदायीन हमले की तैयारी कर रहा युवक गिरफ्तार

मेरठ,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस को निशाना बनाने के लिए कथित तौर पर फिदायीन हमले की तैयारी कर रहे युवक को मेरठ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक जुबैर पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के संपर्क में था और जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर हमले की साजिश रच रहा था। इस मामले में पांच अन्य युवकों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक जुबैर को सोमवार को गिरफ्तार किया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए आईबी, एटीएस, इंटेलिजेंस और पुलिस की टीमों ने उससे कई घंटे तक पूछताछ की। शुरुआती पूछताछ में जुबैर ने जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर हमले की तैयारी करने और पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के संपर्क में रहने की बात बताई है। जांच में यह भी सामने आया है कि जुबैर जम्मू-कश्मीर में पकड़े गए आरोपी साजिद के ऑनलाइन संपर्क में था। पुलिस को दोनों के पाकिस्तानी मोबाइल नंबरों के जरिए बातचीत करने और वहां से निर्देश मिलने से जुड़े इनपुट भी मिले हैं।

सफलता का मंत्र: वरिष्ठ वकील सिंघवी की सलाह, एआई से बचें शुरुआती 5 साल

नई दिल्ली , एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और पांच बार के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने युवा वकीलों और लॉ छात्रों को वकालत के पेशे की कुछ बारीकियां साझा कीं। आज कल वकालत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती दखल और कानूनी परिवारों से आने वाले नेपोटिज्म के फायदों के बीच, उन्होंने एक नए वकील के लिए अपनी जगह बनाने का स्पष्ट रास्ता बताया। डॉ. सिंघवी ने शुरुआत में ही स्पष्ट किया कि वे युवाओं को उपदेश देने नहीं, बल्कि अपने अनुभव साझा करने आए हैं, क्योंकि सलाह युवाओं को पसंद नहीं आती। हालांकि, उन्होंने नई पीढ़ी की तकनीकी समझ और संसाधनों की सराहना की, जिनकी कल्पना पिछली पीढ़ियां नहीं कर सकती थीं।
कानून के क्षेत्र में सफलता का मूल मंत्र बताकर डॉ. सिंघवी ने कहा कि निरंतर परिश्रम और धैर्य का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा, मेहनत, और ज्यादा मेहनत और उससे भी ज्यादा मेहनत, यही मेरी सफलता का मंत्र है। वकालत में 99 फीसदी मेहनत है और सिर्फ 1 फीसदी प्रेरणा का खेल होता है। कानूनी कामकाज में एआई के बढ़ते उपयोग पर उन्होंने बेहद संतुलित और व्यावहारिक सलाह दी। उन्होंने खुद को तकनीक का दिल से समर्थक बताया, लेकिन साथ ही आगाह किया कि इस तकनीक को अपना मालिक नहीं बनने दे सकते। खासतौर पर युवा वकीलों को उन्होंने सलाह दी, मैं कानूनी दस्तावेजों की ड्राफ्टिंग के लिए एआई के इस्तेमाल का समर्थन नहीं करता, खासकर करियर के शुरुआती पांच साल आपको ड्राफ्टिंग खुद करनी चाहिए।
डॉ. सिंघवी ने बताया कि समय के साथ कानून के पेशे को लेकर समाज का नजरिया पूरी तरह बदल गया है। पहले जहां कानूनी करियर का आखिरी विकल्प माना जाता था, वहीं आज यह छात्रों की पहली पसंद बन चुका है। उन्होंने वकालत में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को बताकर कहा कि वे अब शानदार काम कर रही हैं। कानूनी पृष्ठभूमि से आने वाले वकीलों को मिलने वाले शुरुआती लाभ पर उन्होंने बेबाक राय रखकर माना कि पारिवारिक पृष्ठभूमि से शुरुआती मंच जरूर मिल सकता है, लेकिन एक या दो केस के बाद सभी वकील एक ही स्तर पर खड़े होते हैं और असली पहचान काम और अनुभव से ही बनती है। उन्होंने जोड़ा कि अब पारिवारिक पृष्ठभूमि का यह फायदा धीरे-धीरे कम हो रहा है।
एक वकील की नैतिकता और भूमिका पर बात कर डॉ. सिंघवी ने कहा कि कानूनी पेशेवरों को अपने क्लाइंट के प्रति पूर्वाग्रह नहीं रखना चाहिए, क्योंकि जीवन और कानून हमेशा ब्लैक एंड व्हाइट नहीं होते, बल्कि ग्रे (मिश्रित परिस्थितियों वाले) होते हैं। उन्होंने कहा, एक वकील को न अपना मुवक्किल चुनना चाहिए और न ही उस जज करना चाहिए। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने कई इसतरह के केस लेने से इंकार किया है, जहां उन्हें लगा कि अदालत में वे दलीलें नहीं टिक पाएंगी। अपनी प्रेरणा के स्रोत के बारे में पूछने पर डॉ. सिंघवी ने अपने पिता को याद किया, जो स्वयं एक वकील और संस्कृत के विद्वान थे। उन्होंने युवाओं को महापुरुषों की जीवनियां पढ़ने की सलाह दी, क्योंकि उनसे जीवन की दिशा और प्रेरणा मिलती है। अपनी व्यस्त दिनचर्या के बारे में उन्होंने बताया कि वे वकालत, राजनीति, मीडिया संवाद और अपने अध्ययन के बीच लगातार संतुलन बनाते हैं, और वे हमेशा से शिक्षक बनना चाहते थे, जिसका प्रमाण उनके विश्वविद्यालयों में दिए जाने वाले व्याख्यान हैं।

जंगल, पहाड़ और ग्लेशियर को किया बर्बाद... नहीं बनेगा पवित्र अमरनाथ शिवलिंग

बीआरओ की कार्रवाई को लेकर केंद्र पर बरसी महबूबा

श्रीनगर , एजेंसी। पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष और पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती को मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में शेषनाग झील जाते समय पुलिस ने रोक दिया। वे वायरल वीडियो की जांच करने जा रही थीं, जिसमें अमरनाथ यात्रा मार्ग पर भारी मशीनों और खुदाई का काम दिखाया गया है। पूर्व सीएम महबूबा ने चेतावनी दी कि यदि हिमालय के नाजुक पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया गया, तब अमरनाथ शिवलिंग का बनना असंभव होगा।
चंदनवाड़ी से शेषनाग तक पैदल जाने की कोशिश कर रहीं महबूबा ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि शेषनाग में जो हो रहा है, वह बहुत डरावना है, जहां बड़ी मशीनों और बुलडोजरों का इस्तेमाल हो रहा है। उनके अनुसार, जंगल, पहाड़ और ग्लेशियर अमरनाथ शिवलिंग के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और उन्हें नष्ट करने से पवित्र परंपरा का अस्तित्व खतरे में पड़ेगा। पीडीपी नेता महबूबा ने शेषनाग को हिंदू परंपरा और कश्मीरियत का प्रतीक बताकर कहा कि यह



विकास के नाम पर परिदृश्य को बदलने का प्रयास है, जैसा कि उत्तराखंड में भी किया गया है।
यह खुदाई सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा अमरनाथ यात्रा कॉरिडोर के विस्तार से जुड़ी है, लेकिन इसकी संवेदनशीलता को देखकर विरोध हो रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञों ने क्षेत्र में भारी मशीनों के उपयोग पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने भूस्खलन की आशंका जाहिर की है, क्योंकि यह क्षेत्र अस्थिर भू-भाग और ढीले हिमनद मलबे से घिरा है। विशेषज्ञों के अनुसार, खुदाई और कंपन से लिद्दर नदी के पानी की गुणवत्ता भी प्रभावित हो सकती है, जिसका शेषनाग झील प्रमुख स्रोत है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी की रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि अमरनाथ यात्रा मार्ग का 85 प्रतिशत हिस्सा भूस्खलन के लिए संवेदनशील है।
महबूबा मुफ्ती ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मामले में हस्तक्षेप करने और कश्मीर के नाजुक हिमालयी पर्यावरण से समझौता न करने की अपील की है। वहीं, बीआरओ ने वायरल वीडियो पर अपनी स्थिति साफ कर कहा है कि यात्रा के बाद ट्रैक चौड़ा करने का काम निर्धारित सुरक्षा और पर्यावरण नियमों के तहत हो रहा है। उन्होंने बताया कि यह कार्य मौजूदा ट्रैक तक ही सीमित है और भीड़ में भगदड़ जैसी स्थितियों से बचने के लिए ट्रैक का चौड़ा होना आवश्यक है। बीआरओ ने आश्वस्त किया कि कमजोर हिस्सों को स्थिर किया जा रहा है, खुदाई की मिट्टी का सुरक्षित निपटान सुनिश्चित किया जा रहा है और प्राकृतिक जल निकासी की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

दिलजीत दोसांझ के बेंगलुरु कॉन्सर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

बेंगलुरु , एजेंसी । सिंगर और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के आगामी बेंगलुरु कॉन्सर्ट से पहले सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ी है। पुलिस को एक धमकी भरा ईमेल मिला है, जिसमें आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) से हमले की बात कही गई है। 29 नवंबर को होने वाले शो को लेकर दर्शकों में जहां भारी उत्साह था, वहीं इस धमकी ने लोगों में सतर्कता और सवाल दोनों पैदा कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, यह ईमेल धारवाड़ के पुलिस कमिश्नर को भेजा गया है। इसमें बेंगलुरु के मादावरा में एनआईसीई रोड ग्राउंड पर होने वाले कॉन्सर्ट को निशाना बनाने का जिक्र है। धमकी भरे संदेश में खालिस्तान जिंदाबाद का नारा लिखा गया है और शो के दौरान आईईडी धमाके की चेतावनी दी गई है। ईमेल में आम लोगों के लिए कई चेतावनियां भी थीं, जैसे बच्चों को कॉन्सर्ट में न लाने, आईफोन पर आने वाली कॉल का जवाब न देने और मेट्रो से सफर से बचने की अपील।

जेवर एयरपोर्ट के नामकरण पर कांग्रेस का पीएम मोदी पर प्रहार... इतनी जल्दी में क्यों हैं

नई दिल्ली, एजेंसी । कांग्रेस ने जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर रखने के फैसले को लेकर उन पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस पार्टी ने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री मोदी को हर बड़ी परियोजना पर अपना नाम दर्ज कराने की इतनी जल्दी में क्यों हैं, और क्या उन्हें अपनी राजनीतिक विरासत को लेकर कोई बेचैनी महसूस हो रही है?
दरअसल कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पोस्ट के द्वारा आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी अपने काम और फैसलों के जरिए एक मजबूत विरासत बनाने के बजाय, पद पर रहते हुए ही हर बड़ी परियोजना पर अपना नाम दर्ज कराने में लगे हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का जिक्र कर कहा कि इसका उद्घाटन समारोह संपन्न हो चुका है, लेकिन अब तक एक भी तय अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू नहीं हुई है और यात्रियों की आवाजाही भी सुस्त है। इसके बावजूद, इसका नाम बदलकर 'नरेन्द्र मोदी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, नोएडा-जेवर' रख दिया गया है। उन्होंने अहमदाबाद के 'नरेन्द्र मोदी स्टेडियम' का हवाला देकर तंज कसते हुए पूछा कि अगला नंबर किसका होगा?
कांग्रेस नेता ने कहा कि सवाल केवल नामकरण का नहीं, बल्कि इस बात का है कि प्रधानमंत्री मोदी को अपनी विरासत बनाने के लिए अपने काम और फैसलों पर भरोसा करने के बजाय बड़ी परियोजनाओं पर अपना नाम दर्ज कराने की जल्दी में क्यों हैं। उन्होंने कटाक्ष कर पूछा कि कहीं यह इस बात की बेचैनी, नहीं कि कुर्सी छूटने के बाद कोई उनका नाम लेने वाला भी नहीं होगा।
कांग्रेस नेता रमेश ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का उदाहरण देकर बताया कि जनवरी 1949 में नेहरू ने हैदराबाद के फतेह मैदान का नाम अपने नाम पर रखने से इंकार किया था। इस तरह, दिसंबर 1956 में जम्मू-कश्मीर की बनिहाल सुरंग का नाम उनके सम्मान में रखने के प्रस्ताव को भी उन्होंने रोक दिया था। कांग्रेस महासचिव ने एम सी छागला की आत्मकथा 'रोजेज इन दिसंबर' का हवाला देकर बताया कि 1960 के दशक की शुरुआत में जब तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री छागला ने राजधानी में प्रस्तावित दूसरे विश्वविद्यालय का नाम नेहरू के नाम पर रखने का प्रस्ताव दिया, तब उन्होंने तत्काल इस बात को खारिज कर दिया था।